जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, रविवार 4 जनवरी, 2026

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

भारत में पहली बार

FIXED PRICE

प्लैटिनम शरबती राइस

ऐलिट बासमती राइस

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती राइस
- एलीट बासमती राइस
- पोहा
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना
- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम

KEDIA™ Pavitra

COMING SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- तिल का तेल
- मखाना
- खजूर
- अंजीर
- मूंगफली
- लौंग
- इलायची
- काली मिर्च
- दालचीनी
- अजवाइन
- राई
- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- हींग
- अमचूर पाउडर
- गुड़ पाउडर
- चाय और भी बहुत कुछ

रिटेलर हो या कस्टमर:
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON WHATSAPP

ORDER ON APP

AVAILABLE AT

32000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM

WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply.

विचार बिन्दु

ईश्वर बड़े-बड़े साम्राज्यों से ऊब उठता है लेकिन छोटे-छोटे पुष्पों से कभी खिन्न नहीं होता। –रवींद्रनाथ ठाकुर

वसंत में वनानुभव

एकाग्र मन से ज्ञानेन्द्रियों और कर्मेन्द्रियों का प्रयोग कर वनों की समग्रता का अनुभव (देखना, सुनना, सूंघना, स्पर्श करना, स्वाद लेना) वनानुभव कहलाता है! चरकसंहिता में वसंत की आरोग्यदायी ऋतुचर्या का वर्णन करते समय भगवान आत्रेय ने वसंत में वनानुभव का महत्त्व स्पष्ट किया है (च.सू.6.22-26, अंश): वसन्तेऽनुभवेत्काननानांयौवनम्।। तात्पर्य यह है कि उद्यानों एवं वनों में घूमना, पैदल चलना, पुष्पित पल्लवित वनों का अनुभव लेना चाहिए। प्रकृति-अनुभव और वनानुभव चिकित्सा का इतिहास बहुत प्राचीन है। यह आयुर्वेद की एक श्रेष्ठ गैर-औषधीय चिकित्सा है जिस पर समकालीन शोध भी बहुत समृद्ध है। हरियाली, प्राकृतिक वातावरण, वनों और उपवनों में प्रकृति-अनुभव या दीर्घकालिक जुड़ाव का प्रसन्नता में योगदान पर पूर्व में यहाँ प्रमाण-आधारित ठोस विश्लेषण प्रस्तुत किया गया था। परन्तु क्या यह हरियाली में किया गया व्यायाम और योग तुलनात्मक रूप से बेहतर स्वास्थ्य भी प्रदान करता है? वर्ष 2023 के प्रारंभ में आज तक प्रकाशित शोध को समाहित कर आज की चर्चा पुन: इसी विषय पर है।

संहिताओं में स्वास्थ्य-रक्षण और रोगोपचार दोनों के लिये ऐसे अनेक सन्दर्भ हैं (देखें, च.चि.3.260-266; च.चि.2/3, 26-30, च.चि.4.106-109; च.वि.6.17, सु.उ.47.55-57 आदि)। उक्त सभी सन्दर्भ केवल उदाहरणार्थ और प्राचीनता दर्शित करने के उद्देश्य से उद्धृत किये गये हैं। समकालीन शोध में पिछले कई दशकों से विभिन्न विषयों के विद्वानों ने अपनी विधा के अनुसार इस बात की ओर ध्यान खींचा है कि प्रकृति से जुड़ने और मानव स्वास्थ्य में सुधार के बीच सकारात्मक संबंध है। यह आम समझ की बात है कि प्रकृति और पर्यावरण के सानिध्य में समय बिताना हमारे लिये स्वाभाविक रूप से अच्छा हो सकता है। प्राचीन सभ्यताओं के अवशेषों, प्राचीनकाल से चली आ रही सांस्कृतिक परम्पराओं और चिकित्सा पद्धतियों में इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि मानव सभ्यता का अपने स्वास्थ्य, चिकित्सा और आध्यात्मिकता के लिये प्रकृति के साथ अन्योन्याश्रित जुड़ाव रहा है।

जहाँ तक हरियाली का शारीरिक और मनोरोगों को रोकने में योगदान है उस पर बहुत शोध है और उसका सम्पूर्ण विश्लेषण यहाँ देना संभव नहीं है। इस विषय में एक बेहद उपयोगी पुस्तक द एक्सपीरियंस ऑफ़ नेचर-अ साइकोलॉजिकल पर्सपेक्टिव वर्ष 1989 में प्रकाशित हुई थी। राचेलकपलान और स्टेफेनकपलान की यह पुस्तक इस विषय में विश्व की सर्वाधिक संदर्भित पुस्तक है जिसे लगभग 8000 प्रकाशनों में संदर्भित किया गया है। प्राकृतिक वातावरण, लोगों और उनके बीच के संबंधों का एक प्रमाण-आधारित लेखा-जोखा इस पुस्तक में है। लेखकों ने यह समझने की कोशिश की है कि लोग प्रकृति का अनुभव कैसे करते हैं और वे किस प्रकार के प्राकृतिक वातावरण पसंद करते हैं, वे जंगल के अनुभवों से क्या मनोवैज्ञानिक लाभ उठाते हैं, और हमारे आसपास के उद्यान लोगों के लिये क्यों महत्वपूर्ण हैं। इस विषय में अद्यतन स्थिति को 832 अध्ययनों के आधार पर की गई 16 मेटा-एनालिसिस को मिलाकर की गई एक भारी मेटा-एनालिसिस विश्व में अब तक का श्रेष्ठ प्रमाण भी यही निष्कर्ष देती है (देखें, सी. बरगन-जैसन इत्यादि, बायोलॉजिकल कंसर्वेशन, 277, 109842, 2023)। वर्ष 2022 में 8 मेटा-एनालिसिस अतिरिक्त प्रमाण प्रदान करती हैं कि वनानुभव शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करता है। बच्चों के कल्याण के लिए भी वनानुभव व प्रकृति-अनुभव आवश्यक हैं (देखें, टी. अरोला इत्यादि, जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल साइकोलॉजी, 85,101913, 2023)।

यहाँ यह बताना आवश्यक है कि ऐसा नहीं है कि प्रकृति के सभी आयाम स्वास्थ्यवर्धक और सुरक्षित ही हों। कई प्राकृतिक स्थल मानव में अकेले डर पैदा कर सकते हैं। जो हवा, पानी और मिट्टी स्वास्थ्य के लिये सर्वथा उपयुक्त होती है, वही प्रदूषित होने या प्राकृतिक आपदाओं के स्वरुप में आने पर स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हो सकती हैं। प्राकृतिक वातावरण के जो प्राणी बहुत सुन्दर लगते हैं उनमें से बहुत हिंसक भी हो सकते हैं। इन बातों को ध्यान में रखते हुये प्रकृति-अनुभव अपने अन्य रूपों में हमारे स्वास्थ्य की स्थिति को निर्धारित करते हैं। इस दृष्टिकोण से प्रकृति और पर्यावरण को निहारना, प्राकृतिक वातावरण में घूमना-फिरना स्वास्थ्यकर होता है।

प्रकृति-अनुभव किन कारणों से हमारे स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है? या अन्य शब्दों में कहें तो प्रकृति से जुड़ाव के स्वास्थ्यकर होने की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन क्या है? अनेक अध्ययनों के प्रमाण स्पष्ट करते हैं कि प्रकृति का मानव शरीर और मन पर स्वास्थ्यकर प्रभाव स्वास्थ्य के विविध आयामों को बेहतर करने में प्राकृतिक वातावरणों की भूमिका के कारण होता है। उदाहरण के लिये प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य में सुधार की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन को मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद में कमी, मन की प्रसन्नता में बढ़ोत्तरी, अच्छी निद्रा, मनोहारी अनुभूति, दर्द-नियंत्रण, बेहतर सामाजिक संपर्क, व्यायाम में बढ़ोत्तरी, हृदय रोगों में कमी, प्रतिरक्षा तंत्र में सुधार आदि के प्रकाश में देखा जा सकता है। वनानुभव-चिकित्सा (वनों में घूम-फिर कर प्रकृति का अनुभव करना) इम्यूनिटी भी बढ़ाती है (देखें, वाय. चे इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 18(16), 2021)।

शहरों में हरियाली से स्वास्थ्य लाभ के बारे में वर्ष 1800 के बाद से कई छिटपुट अध्ययन मिलते हैं और शहरी विकास में इन्हें शामिल करने के प्रयास भी दुनिया भर में हुये है। इन सब अध्ययनों में एक सन्देश मिल रहा था कि हरियाली को अनुभूत करना या हरियाली का एक्सपोज़र स्वास्थ्य के लिये लाभकारी है, परन्तु व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-एनालिसिस अब आना शुरू हुये हैं। हाल ही में हरियाली से मिलाने वाले लगभग 100 प्रकार के स्वास्थ्य-लाभ के निष्कर्षों वाले 143 अध्ययनों को शामिल कर एक मेटा-एनालिसिस की गयी। इससे कई रोचक परिणाम मिले। जैसे-जैसे हरियाली के साथ जुड़ाव बढ़ा वैसे-वैसे लार के कोर्टिसोल, हृदय गति, व डायस्टोलिक रक्तचाप में कमी पायी गयी। एचडीएल कोलेस्ट्रॉल व हृदय गति की परिवर्तनशीलता में बेहतरी हुई। समय-पूर्व प्रसव-जोखिम, मधुमेह, तथा समस्त-कारण मृत्यु दर (आल-कॉजमोर्टेलिटी) और हृदय रोग मृत्यु दर में भी कमी पाई गयी। स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, डिस्लिपीडेमिया, अस्थमा, और कोरोनरी हृदय रोग की घटनाओं में भी कमी होती गयी। अलग-अलग अध्ययनों को देखने पर यह भी स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य परिणामों में 66.7 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक बेहतरी हुई है। इनमें न्यूरोलॉजिकल, कैंसर, व श्वसन रोगों से मृत्यु दर में कमी भी पाई गयी (देखें, सी. टोहिग-बेनेट, ए. जोन्स, एनवायर्नमेंटलरिसर्च, 166: 628-637, 2018)।

हाल ही में हरियाली से मिलने वाले लगभग 100 प्रकार के स्वास्थ्य-लाभ के निष्कर्षों वाले 143 अध्ययनों को शामिल कर एक मेटा-एनालिसिस की गयी। इससे कई रोचक परिणाम मिले। जैसे-जैसे हरियाली के साथ जुड़ाव बढ़ा वैसे-वैसे लार के कोर्टिसोल, हृदय गति, व डायस्टोलिक रक्तचाप में कमी पायी गयी। एचडीएल कोलेस्ट्रॉल व हृदय गति की परिवर्तनशीलता में बेहतरी हुई। समय-पूर्व प्रसव-जोखिम, मधुमेह, तथा समस्त-कारण मृत्यु दर (आल-कॉजमोर्टेलिटी) और हृदय रोग मृत्यु दर में भी कमी पाई गयी। स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, डिस्लिपीडेमिया, अस्थमा, और कोरोनरी हृदय रोग की घटनाओं में भी कमी होती गयी।

इस विषय में सबसे भारी अध्ययन जिसका वित्त-पोषण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किया गया था, वह वर्ष 2019 में दुनिया के एक अगुआजर्नल में प्रकाशित हुई। हरियाली को स्वास्थ्य-निर्धारक, स्वास्थ्य में सुधार, और विभिन्न प्रसन्नता के लिये उपयोगी माना जाता रहा है। इस व्यवस्थित अध्ययन में विश्व भर के अनुदैर्ध्य अध्ययनों से प्राप्त प्रमाणों की इस बात के लिये समीक्षा की गयी कि हरियाली, पार्क्स, गार्डन्स आदि की उपलब्धता का सकल मृत्यु दर में प्रभाव क्या है। इस मेटा-एनालिसिस में प्रारम्भ में 9298 अध्ययन और 13 अन्य अध्ययनों की पहचान की गयी। इनमें से 9234 (99प्रतिशत) अध्ययनों को शीर्षक और सारांश जांचने के बाद अपग करते हुये शेष 77 अध्ययनों में से 68 (88प्रतिशत) को सम्मिलित किया गया। उक्त के साथ ही मात्रात्मक मूल्यांकन हेतु नौ (12प्रतिशत) अध्ययनों को शामिल किया। इनमें सात देशों के 8.32 लाख व्यक्ति शामिल थे। कुल मिलाकर निष्कर्ष स्पष्ट करते हैं कि आसपास की हरियाली और सकल-कारण मृत्यु दर के बीच एक व्युत्क्रम रिश्ते का प्रमाण पाया गया। कहने का तात्पर्य यह कि जैसे-जैसे हरियाली की उपस्थिति बढ़ती जाती है वैसे-वैसे सभी कारणों से मृत्यु दर में कमी आती-जाती है। सन्देश यह है कि मानव समाज जहाँ रहता और काम करता है वहां हरियाली बढ़ाने और जैव-विविधता संरक्षण को बढ़ावा देना मानव स्वास्थ्य के लिये बहुत उपयोगी है (देखें, डी. रोजसरुएडा आदि, द लैंसेटप्लेनेटरी हेल्थ, 3,11: ई469-ई 477,2019)।

एक अन्य महत्वपूर्ण मेटा-एनालिसिस में बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न पर जांच की गयी कि गर्भावस्था मंज प्रतिकूल परिणामों पर आवासीय हरियाली का क्या प्रभाव रहता है। इसमें कुल 36 अध्ययन शामिल थे और कुल मिलाकर 1.19 करोड़(11.9 मिलियन) प्रतिभागी थे। परिणाम स्पष्ट करते हैं कि हरियाली वाले स्थलों में जन्म के समय न्यूनतम वजन का जोखिम उच्च स्तर की हरियाली वाले समूह में काफी कम था। गर्भावधि उम्र कमरहने की संभावना भी उच्च हरियाली वाले क्षेत्रों में घटी पायी गयी। इसके अलावा अधिक हरियाली वाले क्षेत्रों में मातृ-जोखिम कम पाया गया और मानसिक विकारों में भी कमी पायी गयी। यह समीक्षा आवासीय हरियाली और गर्भावस्था के प्रतिकूल परिणामों के बीच एक उलटे रिश्ता होने की पुष्टि करती है। अध्ययन के निष्कर्ष स्पष्ट कर देते हैं कि हरियाली गर्भवती महिलाओं के लिये जोखिम घटाती है (वाइ. झान आदि, साइंसऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 718: आर्ट. 137420, 2020)। हाल ही में वनानुभव को मानसिक स्वास्थ्य में बेहतरी लाने के ठोस प्रमाण मेटा-एनालिसिस से प्राप्त हुए हैं (देखें, वाई. कोटेरा इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मेंटल हेल्थ एंड एडिक्शन, 20(1):337-361, 2022)। एक अन्य मेटा-एनालिसिस से सिद्ध होता है कि वनानुभव अवसाद व चिंता से बचाने हेतु श्रेष्ठ गैर-औषधीय युक्ति है (पी.एस. येओन इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 18(23): 2021)। रैंडमाइज्दकंट्रोल्डट्रायल्स की मेटा-एनालिसिस का निष्कर्ष भी स्पष्ट करते हैं कि वन-आधारित गैर-औषधीय चिकित्सकीय दखल मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं (देखें, एम.जे. कांग इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 19(8): 2022)। हाल ही में 52 अध्ययनों में समाहित 5.2 मिलियन लोगों के आंकड़ों को लेकर की गई मेटा-एनालिसिस सिद्ध करती है कि ग्रीन-स्पेस के आसपास रहने वाले लोगों में डायास्टोलिक और सिस्टोलिक ब्लडप्रेशर में सुधार होता है (देखें, वाई. झाओ इत्यादि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 817: 152513,2022)

हमारा समाज आज शहरीकरण, संसाधन-विदोहन और जीवनशैली में बदलाव के कारण प्रकृति-उन्मुखता से प्रकृति-विमुखता की ओर जा रहा है। संहिताओं, शोध और अनुभव की त्रिवेणी से उत्पन्न ज्ञान इस बात के पुख्ता प्रमाण दर्शित करता है कि प्रकृति-अनुभव मानव स्वास्थ्य के लिये अनिवार्य है। शोध स्पष्ट करती है कि प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य-लाभ के मूल में वायु गुणवत्ता, शारीरिक गतिविधि और व्यायाम, सामाजिक सामंजस्य और तनाव में कमी आदि कारक हैं।

इस तमाम चर्चा का मूल संदेश यह है कि पर्यावरण के साथ हमारे संबंध हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। वनानुभव और प्रकृति-अनुभव अनेक रूपों में हो सकता है। हमारे आसपास हरियाली को बढ़ावा देना, वनों उपवनों में घूमना, प्राकृतिक स्थलों में सैर-सपाटा, प्रतिदिन समीपवर्ती बाग-बगीचों में जाकर कम से कम एक घंटे का समय बिताना, कार्य-स्थलों में हरियाली बढाने के लिये छोटे-छोटे गार्डन या बगीची विकसित करना, बैठने के स्थान में खिड़की से दिखने वाला हरा-भरा दृश्य, कार्यालय में पांच मिनट का ब्रेक लेकर हरियाली में टहल कर आना आदि सब छोटे-छोटे ऐसे कार्य हैं, जिनके माध्यम से हमारा प्रकृति के साथ जुड़ाव बना रहता है। इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह याद रखने योग्य है कि चूंकि प्रतिदिन व्यायाम और योग करना स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है अत: व्यायाम और योग वनों, हरे-भरे स्थलों, बाग-बगीचों, नदी या झील के समीप किया जाये तो शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य के लिये अधिक उपयोगी है। बच्चों को भी वनानुभव और प्रकृति-अनुभव कराइये। हरियाली से जुड़ाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए परम आवश्यक है। जीवन के प्रारम्भिक काल में प्रकृति से जुड़ाव मानव और प्रकृति के मध्य आजीवन सार्थक रिश्ता बनाने हेतु आवश्यक है। प्रकृति के साथ जुड़े रहिये। योग और व्यायाम कीजिये। आनंदित रहिये। स्वस्थ रहिये।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

वर्ष 2026 में ये दस संकल्प लें

विनोद पाठक

नया वर्ष केवल तिथि परिवर्तन का संकेत नहीं होता, वह आत्ममूल्यांकन और आत्मपुनर्निर्माण का अवसर होता है। जब एक वर्ष समाप्त होता है, तब केवल समय नहीं गुजरता, अपितु हमारे अनुभव, हमारी आदतें और हमारी चेतना भी एक पड़ाव पर पहुंचती है। वर्ष 2026 ऐसे समय में दस्तक दे रहा है, जब मानव समाज अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है।

तकनीकी प्रगति जहां जीवन को सुविधाजनक बना रही है, वहीं सामाजिक संबंधों, मानसिक स्वास्थ्य और नैतिक मूल्यों के समक्ष नई चुनौतियां भी खड़ी कर रही है। भारतीय चिंतन परंपरा में व्यक्ति को समाज और राष्ट्र की आधारशिला माना गया है। यथा व्यक्ति, तथा राष्ट्र, यह सूत्र आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। वेदों में कहा गया है, यद् भावं तद् भवति अर्थात जैसा भाव, वैसा भविष्य। स्पष्ट है, जब संकल्प आदत बनते हैं, आदत संस्कार बनती है और संस्कार से इतिहास रचा जाता है।

ऐसे में वर्ष 2026 के लिए संकल्प केवल व्यक्तिगत सुधार तक सीमित न रहें, अपितु वे सामाजिक और राष्ट्रीय पुनर्जागरण के वाहक बनें। इसी भावभूमि पर ये दस संकल्प आधारित हैं–

1. स्वास्थ्य : जीवन की मूल पूंजी

आधुनिक जीवनशैली में सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि सुविधा बढ़ी है, लेकिन स्वास्थ्य घटा है। बीमार शरीर और अशांत मन किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति में बाधक बनते हैं। वर्ष 2026 का प्रथम और सर्वोच्च संकल्प स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना होना चाहिए। स्वास्थ्य का अर्थ केवल रोगमुक्त होना नहीं, बल्कि शारीरिक स्फूर्ति, मानसिक संतुलन और भावनात्मक स्थिरता का समन्वय है। योग, प्राणायाम, ध्यान और संतुलित आहार भारतीय जीवन पद्धति की ऐसी धरोहर हैं, जिनकी प्रासंगिकता आज वैश्विक स्तर पर स्वीकार की जा रही है। यजुर्वेद की प्रार्थना है, सर्वे भवन्तु सुखिन:, सर्वे सन्तु निरामया:, यह स्पष्ट करती है कि स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक लक्ष्य भी है।

2. डिजिटल अनुशासन : तकनीक पर नियंत्रण, न कि अधीनता

डिजिटल क्रांति ने सूचना को सुलभ बनाया है, लेकिन सूचना की अधिकता ने विवेक को चुनौती दी है। सोशल मीडिया, आभासी दुनिया और त्वरित प्रतिक्रियाओं की संस्कृति ने हमारे समय, ध्यान और संवेदनशीलता को प्रभावित किया है। वर्ष 2026 का दूसरा संकल्प डिजिटल अनुशासन होना चाहिए। तकनीक का प्रयोग ज्ञानवर्धन और रचनात्मकता के लिए हो, न कि भ्रम और नकारात्मकता के प्रसार के लिए। फेक न्यूज से दूरी, सोशल मीडिया पर मर्यादा और बच्चों के डिजिटल आचरण पर सजग दृष्टि, यह सब आधुनिक नागरिकता के आवश्यक तत्व हैं। इस संदर्भ में ईशोपनिषद का सूत्र अत्यंत प्रासंगिक है, तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा अर्थात संयमपूर्वक उपभोग करो।

3. निरंतर सीखना : प्रगति का स्थायी सूत्र

आज का युग स्थिर ज्ञान का नहीं, निरंतर अधिगम का युग है। जो सीखना बंद करता है, वह समय से पीछे छूट जाता है। वर्ष 2026 का तीसरा संकल्प सीखने की निरंतरता होना चाहिए। हर माह एक नई पुस्तक, एक नई कौशल-विधा, एक नई भाषा या एक नया दृष्टिकोण, यह अभ्यास व्यक्ति को बौद्धिक रूप से सजग बनाए रखता है। बृहदारण्यक उपनिषद का मंत्र है, असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय अर्थात सीखने की निरंतर प्रक्रिया का प्रतीक है।

4. आत्मनिर्भरता : स्वावलंबन से राष्ट्रीय सशक्तीकरण तक

आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक अवधारणा नहीं, यह आत्मसम्मान और आत्मविश्वास का प्रतीक है। वर्ष 2026 का चौथा संकल्प स्वावलंबन की दिशा में निरंतर प्रयास होना चाहिए। स्थानीय उत्पादों का उपयोग, स्वदेशी उद्यमों का समर्थन और स्वयं की क्षमताओं पर विश्वास, ये छोटे कदम राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाते हैं। जब नागरिक आत्मनिर्भर होता है, तब राष्ट्र निर्भर नहीं रहता। अथर्ववेद में कहा गया है, स्वधर्मे निधनं श्रेय: यानी अपना मार्ग, अपना कर्म ही श्रेष्ठ है।

5. पर्यावरण संरक्षण : विकास और प्रकृति का संतुलन

प्रकृति के दोहन की कीमत अब मानवता चुका रही है। जलवायु असंतुलन, प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाएं चेतावनी हैं कि विकास की दिशा पर पुनर्विचार आवश्यक है। वर्ष 2026 का पांचवां संकल्प पर्यावरण-संवेदनशील जीवनशैली होना चाहिए। जल, जंगल और जमीन के प्रति जिम्मेदारी केवल नीति का विषय नहीं, बल्कि नागरिक आचरण का प्रश्न है। छोटे प्रयास जैसे ऊर्जा बचत, प्लास्टिक से परहेज और पौधारोपण, बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं।

6. समय और अनुशासन : सभ्य समाज की पहचान

अनुशासन वह सेतु है, जो विचार और क्रिया को जोड़ता है। वर्ष 2026 का छठा संकल्प समय और अनुशासन के प्रति सम्मान होना चाहिए। समयपालन, कार्य-संस्कृति और सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार व्यवहार किसी भी विकसित समाज की पहचान होते हैं। अनुशासन दमन नहीं, बल्कि आत्मनियंत्रण की परिपक्व अवस्था है।

7. परिवार और संबंध : सामाजिक स्थिरता की धुरी

आधुनिकता की दौड़ में परिवार और संबंध हाशिए पर जा रहे हैं। वर्ष 2026 का सातवां संकल्प रिश्तों को पुन: केंद्र में लाना होना चाहिए। संवाद, सहानुभूति और समय, ये तीन तत्व परिवार को जोड़ते हैं। जब परिवार मजबूत होता है, तब समाज स्वत: सुदृढ़ हो जाता है।

8. सामाजिक दायित्व : नागरिकता का वास्तविक अर्थ

समाज से लेना जितना सहज है, उतना ही आवश्यक समाज को लौटाना है। वर्ष 2026 का आठवां संकल्प सामाजिक सहभागिता होना चाहिए। सेवा के छोटे कार्य, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो या मानवीय सहायता, सामूहिक चेतना को जाग्रत करते हैं। सामाजिक उत्तरदायित्व लोकतंत्र की आत्मा है।

9. सकारात्मक दृष्टि : मानसिक सशक्तीकरण का आधार

नकारात्मकता विचारों को जकड़ लेती है। वर्ष 2026 का नौवां संकल्प सकारात्मक और समाधान-उन्मुख सोच होना चाहिए। आत्मविश्वास, धैर्य और आशावाद जीवन की कठिनाइयों को अवसर में बदलने की क्षमता देते हैं। सकारात्मक व्यक्ति ही परिवर्तन का प्रेरक बनता है।

10. सांस्कृतिक चेतना : जड़ों से जुड़ाव

वैश्विक मंच पर मजबूती से खड़े होने के लिए सांस्कृतिक आत्मबोध आवश्यक है। वर्ष 2026 का दसवां संकल्प भारतीय संस्कृति और मूल्यों का संरक्षण व संवर्धन होना चाहिए। भाषा, परंपरा, इतिहास और नैतिक मूल्य हमारी पहचान हैं। इन्हें जानना और जीना ही सांस्कृतिक उत्तराधिकार को सुरक्षित रखता है।

-विनोद पाठक, वरिष्ठ लेखक

नवसृजित पंचायत हेमराजपुरा के स्थान पर नारदा को ग्राम पंचायत बनाने का विरोध

पाटन, (निसं)। पंचायत समिति पाटन क्षेत्र में नवसृजित ग्राम पंचायत हेमराजपुरा के स्थान पर नारदा को ग्राम पंचायत बनाए जाने के निर्णय के खिलाफ ग्रामीणों में भारी रोष देखने को मिला। शुक्रवार को ग्रामीणों ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया और हेमराजपुरा को ही ग्राम पंचायत बनाए जाने की मांग को लेकर नीमकाथाना उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि इस संबंध में पहले नीमकाथाना एसडीएम कार्यालय द्वारा आपत्तियां आमंत्रित करने के लिए नोटिस जारी किए गए थे। आपत्तियों के निस्तारण के बाद पंचायत समिति पाटन में हेमराजपुरा को नवसृजित ग्राम पंचायत घोषित किया गया था। उस समय हेमराजपुरा की जनसंख्या 1315, नारदा की 695 और नानगवास की 1068 दर्शाई गई थी। प्रस्तावित ग्राम पंचायत हेमराजपुरा में नारदा और नानगवास गांवों को शामिल किया गया था। ग्रामीणों का कहना है कि ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा 21 नवंबर 2025 को जारी पत्र में भी हेमराजपुरा को नवसृजित ग्राम पंचायत के रूप में अंकित किया गया था। इसके बावजूद 28 दिसंबर 2025 को हेमराजपुरा के स्थान पर नारदा को ग्राम पंचायत घोषित कर दिया गया, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस बदलाव के लिए संबंधित अधिकारियों द्वारा कोई नया प्रस्ताव नहीं भेजा गया। उन्होंने कहा कि आबादी के आधार पर भी हेमराजपुरा पूरी तरह योग्य है, जबकि नारदा की जनसंख्या काफी कम है। इसके बावजूद नियमों को दरकिनार कर निर्णय लिया गया है।

ग्रामीणों ने नीमकाथाना उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

- **ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया और हेमराजपुरा को ही ग्राम पंचायत बनाए जाने की मांग की**

ग्राम हेमराजपुरा के निवासियों ने इस फैसले के पीछे राजनीतिक दबाव होने का आरोप भी लगाया। ग्रामीणों का कहना है कि हेमराजपुरा सभी निर्धारित मापदंडों पर खरा उतरता है। गांव मुख्य सड़क पर स्थित है, यहां 1008 मतदाता हैं और आवागमन की सुविधाएं भी बेहतर हैं। इसके विपरीत नारदा मुख्य सड़क से दूर है और वहां परिवहन के साधन भी सीमित हैं। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और उन्होंने प्रशासन से मांग की कि पूर्व में जारी आदेशों के अनुरूप हेमराजपुरा को ही ग्राम पंचायत घोषित किया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को न्याय मिल सके।

हैंगिंग ब्रिज से कोटा बैराज तक का इलाका घड़ियाल अभयारण्य से मुक्त हुआ

40 हजार से ज्यादा घर अब चम्बल घड़ियाल अभयारण्य की सीमा से मुक्त हुए

कोटा, (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने चम्बल के किनारे बसे 1 लाख से ज्यादा लोगों को नए साल का तोहफा दिया है। हैंगिंग ब्रिज से कोटा बैराज के बीच बसे 40 हजार से ज्यादा घर अब चम्बल घड़ियाल अभयारण्य की सीमा से मुक्त हो गए। सालों से विकास के लिए तरस रहे इस इलाके में अब न सिर्फ घर-दुकानों के पट्टे बनाए जा सकेंगे बल्कि निर्माण कार्य में लगे प्रतिबंध भी हट जाएंगे।

चम्बल में बसे घड़ियालों को विलुप्त होने से बचाने के लिए जवाहर सागर बांध से लेकर कोटा बैराज तक के इलाके को घड़ियाल अभयारण्य घोषित कर दिया था। घड़ियालों का संरक्षण करने के लिए वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत नदी के किनारे से एक किमी तक के इलाके को आबादी प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया गया था, जिसका नतीजा यह हुआ कि गुमानपुरा से लेकर सकतपुरा, शिवपुरा, नयागांव और किशोरपुरा इलाके के तमाम हिस्से अभयारण्य की सीमा में आ गए। स्पीकर बिरला घड़ियाल सेंचुरी की सीमा में रह रहे

- **वन विभाग ने जारी की अधिसूचना, 732 हेक्टेयर इलाका डिनोटिफाई**

दो लाख से ज्यादा लोगों की इस परेशानी से मुक्त करने के लिए प्रयासरत थे। घड़ियाल सेंचुरी घोषित होने के कारण चम्बल के दोनों किनारों पर बसे लोगों की जमीनों के पट्टों तक पर प्रतिबंध लगा दिया गया। जिसके चलते जमीनें बेचना खरीदना ही नहीं नए भवन का निर्माण और पुरानों का जीर्णोद्धार तक असंभव हो गया। स्पीकर बिरला के प्रयासों से सबसे पहले नेशनल बोर्ड ऑफ वाइल्ड लाइफ (एनबीडब्लूएल) से हैंगिंग ब्रिज से लेकर कोटा बैराज तक के इलाका डिनोटिफाई हुआ।

केंद्र सरकार की ओर से सारी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद आखिर में राजस्थान सरकार ने भी इस क्षेत्र को घड़ियाल सेंचुरी से मुक्त करने का आदेश जारी कर दिया, 23 दिसंबर 2025 को राज्यपाल ने भी इस प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी। जिसके बाद आज इसकी बकायदा अधिसूचना भी जारी कर दी गई। हैंगिंग ब्रिज से लेकर कोटा बैराज तक का 732 हेक्टेयर का क्षेत्र राष्ट्रीय घड़ियाल अभ्यारण्य क्षेत्र से मुक्त हो गया है। करीब 206 खसरों पर लगा प्रतिबंध अब हट जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लम्बे समय से लोगों की मांग थी कि उन्हें इस समस्या से निजात मिले। इसके लिए लगातार प्रयासरत थे। खुशी है कि बड़ी आबादी वाला यह क्षेत्र भी विकास के मामले में कोटा के बाकी हिस्सों के साथ कदमताल कर सकेगा।

राशिफल रविवार 4 जनवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, पुनर्वसु नक्षत्र दिन 3:11 तक, वैधृति योग रात्रि 1:47 तक, कौलव करण दिन 12:30 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 9:43 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग दिन 12:30 से दिन 3:11 तक है। रवि पुष्य और राजयोग दिन 3:11 से सूर्योदय तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग 3:11 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:38 से 9:56 तक, लाभ-अमृत 9:56 से 12:32 तक, शुभ 1:44 से 3:07 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:42

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों के घर-परिवार में आज धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों के घर-परिवार में आज धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन
परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कर्क
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कन्या
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

तुला
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक संदेय प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 162 प्रभात बीकानेर, रविवार 4 जनवरी, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

अमेरिका ने वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति मादुरो व उनकी पत्नी को हिरासत में लिया

रूस, ईरान, क्यूबा, कोलंबिया ने इस आक्रमण की निंदा की, भारत चुप रहा

- अमेरिका ने वेनेज़ुएला के खिलाफ इस आक्रमण को यह कहकर सही बताया कि वेनेज़ुएला से ''ड्रग्स'' अमेरिका लाई जाती हैं और इसे रोकने के लिए वेनेज़ुएला के खिलाफ यह कार्यवाही जरूरी थी।
- वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति का एक ''प्री रिकॉर्डेड'' इंटरव्यु, जो गत सप्ताह प्रसारित किया गया था, में अमेरिका पर यह आरोप लगाया गया था कि अमेरिका वेनेज़ुएला के ''ऑयल रिज़र्व'' व अन्य खनिज सम्पदा पर कब्जा करना चाहता है और इसीलिए वेनेज़ुएला में सरकार का तख्ता पलटना चाहता है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जनवरी। रूस, ईरान और कुछ अन्य देशों ने आज अमेरिका की वेनेजुएला के खिलाफ ''निर्लज्ज आक्रामकता'' और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी की रातों -रात एक कार्यवाही में की गई गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की, पर भारत ने इस कार्रवाई के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया देने से मना कर दिया और कहा कि यह वेनेजुएला के लोगों का अधिकार है कि वे यह तय करें कि क्या करना है।

यूरोपीय यूनियन और दुनिया के कई देशों ने अमेरिका के द्वारा तमाम अन्तर्राष्ट्रीय नियमों के खिलाफ जाकर किए गए सैन्य आक्रमण के बाद संयम रखने, तनाव कम करने और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की अपील की, जबकि भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत वेनेजुएला की घटनाओं पर करीबी नज़र बनाए हुए है और यह वेनेजुएला के लोगों पर निर्भर करता है कि उन्हें क्या करना चाहिए। भारत ने अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का उल्लेख तक नहीं किया।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने शनिवार की सुबह वेनेजुएला पर ''बड़े हमले'' की शुरुआत की और दावा किया कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ लिया गया और उन्हें देश से बाहर भेज दिया गया। यह वॉशिंगटन के महीनों से चल रहे दबाव अभियान की एक नाटकीय परिणति है।

अमेरिका दुनिया भर में दादागिरी करता है। विशाल सैन्य-औद्योगिक कम्पनियों और बड़े व्यापार समूहों द्वारा समर्थित ट्रंप, शक्तिशाली हथियार प्रणालियों और युद्ध मशीनों के निर्माण के मुनाफे को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं।

राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने इस ऑपरेशन की घोषणा ट्रूथ सोशल पर शनिवार सुबह 4:30 बजे की, जब कैराकस के ऊपर धमाकों और नीचे उड़ान भरते विमानों की सूचना मिली थी। ट्रंप ने कहा, ''मादुरो, अपनी पत्नी के साथ, पकड़ लिए गए और देश से बाहर भेज दिए गए हैं। यह ऑपरेशन यूएस लॉ एनफोर्समैंट के साथ मिलकर किया गया था। विवरण बाद में दिया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि हमले ''सफलतापूर्वक'' किए गए थे।

वेनेजुएला की सरकार ने इसके तुरंत बाद अमेरिका पर नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने का आरोप लगाया तथा इसे ''साम्राज्यवादी हमला'' बताते हुए समर्थकों से सड़कों पर उतरने की अपील की। यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि देश का नेतृत्व कौन कर रहा था, और ट्रंप के दावे के अलावा मादुरो के बारे में कुछ नहीं पता था।

कैराकस में शनिवार की सुबह काफी नीचे विमान उड़ते देखे गए, उसके बाद कम से कम सात धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। रॉयटर्स के सूत्रों ने 2 बजे (0600 जीएमटी) के आसपास

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जब गडकरी ने अपने ससुर का घर तुड़वा दिया था

- चर्चित बॉलीवुड हस्ती फराह खान के व्लॉग के लिए वार्ता में नितिन गडकरी और उनकी पत्नी ने कई रोचक खुलासे किए। गडकरी की पत्नी ने बताया कि कैसे सड़क चौड़ी करने के लिए नितिन गडकरी ने उनके पिता का ही घर तुड़वा दिया था।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जनवरी। कोरियोग्राफर और फिल्ममेकर फराह खान ने अरने यूट्यूब व्लॉग के लिए भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। फराह अपने कुक दिलीप के साथ नई दिल्ली में मंत्री के घर गईं।

व्लॉग में फराह ने नितिन गडकरी से कई सवाल पूछे। उन्होंने पूछा कि वे कितने साल से शादीशुदा हैं, तो उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह तो कंचन (गडकरी की पत्नी) आपको बताएँगी।''

इस पर फराह ने मज़ाक में कहा, आदमी की तरह आप अपनी शादी की सालगिरह ही भूल गए।'' कंचन ने बताया कि उनकी शादी को 41 साल हो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश के क्रिकेटर को अब आईपीएल में खेलने नहीं दिया जाएगा

बीसीसीआई ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को देखते हुए यह निर्णय लिया

- कोलकाता की टीम के.के.आर. ने बांग्लादेशी फास्ट बोलर मुस्ताफिज़ुर रहमान को काफी भारी रकम देकर, दिल्ली व चेन्नई को नीलामी में हराकर खरीदा था
- बांग्लादेश में हाल ही में एक के बाद एक करके तीन हिंदुओं को बेरहमी से मारकर हत्या कर, जलाने की दर्दनाक घटनाएँ हुई हैं तथा देश भर में इन घटनाओं के कारण आक्रोश चरम पर है। पर, ममता बनर्जी ने इस मुद्दे पर पूर्ण चुप्पी साध रखी है।
- भाजपा कोलकाता में चौराहों व मोहल्लों में छोटी-छोटी आम सभाएं आयोजित कर, ममता जी की चुप्पी के खिलाफ वातावरण बना रही है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जनवरी। बांग्लादेश में लगातार हो रहे हमलों और हिंदुओं की बेरहमी से हत्या की घटनाओं के बीच, भारत की शीर्ष क्रिकेट संस्था ने एक बांग्लादेशी खिलाड़ी को बाहर करने का निर्देश दिया है। अब वह आने वाले आईपीएल मैचों में नहीं खेल पाएगा।

ढाका के एक अस्पताल में शनिवार को एक तीसरे हिंदू व्यक्ति की जलने और हमले की चोटों के कारण मौत हो गई, जैसा कि, उसका इलाज कर रहे डॉक्टर ने बताया। उस पर हमला किया गया था, उसके ऊपर पेट्रोल डाला गया और फिर आग लगा दी गई।

वह दिन भर काम करने के बाद जब घर लौट रहा था, तभी इस्लामवादी भीड़ ने घेरकर उस पर हमला कर दिया। उसे बेरहमी से पीटा गया और फिर जला दिया गया। वह इलाके में दवा की दुकान चलाता था और उसके छोटे-छोटे बच्चे हैं। इससे पहले भी एक गारमेंट फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर को इसी तरह भीड़ ने पीट-पीट कर मार डाला था।

उसी क्रूरता के साथ उसके शव को भीड़ ने लातों से ठोकरें मारीं, फिर उसे पेड़ से लटकाया और बाद में जला दिया। इस घटना के तुरंत बाद एक और हिंदू को झूठे आरोपों में भीड़ ने मार डाला।

बांग्लादेश में हिंदुओं की लगातार हो रही इन बर्बर हत्याओं से भारत में भी गुस्सा बढ़ रहा है और समाज के अलग-अलग वर्ग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

भारतीय क्रिकेट की शीर्ष संस्था बीसीसीआई ने बांग्लादेशी खिलाड़ी को आईपीएल मैचों में भाग लेने से रोक दिया है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को अपने विदेशी तेज गेंदबाज़ को टीम से हटाने का निर्देश दिया गया है और उसकी जगह नया खिलाड़ी तलाशने की अनुमति दी गई है।

केकेआर ने दिल्ली और चेन्नई की दो प्रतिद्वंद्वी टीमों का पछाड़ कर, मुस्ताफिज़ुर रहमान को अपनी टीम में शामिल किया था। हालांकि बाद के घटनाक्रमों के बाद, बीसीसीआई ने बांग्लादेशी खिलाड़ियों को भारत में खेलने देने पर कड़ा रुख अपनाया है।

इन घटनओं का भाजपा ने ज़ोरदार विरोध किया है और पार्टी की राज्य इकाई अब बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों को बड़ा मुद्दा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भरतपुर की सेवर सेंट्रल जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे बंदी की मौत

परिजनों ने जेल प्रशासन और अस्पताल पर इलाज में लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की सेवर सेंट्रल जेल में शुक्रवार देर रात आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी कृष्ण कुमार (57) उर्फ बेबी की मौत हो गई। वह चर्चित संजय बिहारी हत्याकांड में दोषी था और करीब 3 महीने पहले ही उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। मौत के बाद परिजनों ने जेल प्रशासन और अस्पताल पर इलाज में लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। संजय बिहारी हत्याकांड में कोर्ट ने 3 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इनमें से एक आरोपी नरेश सिंघल की 23 अक्टूबर 2025 को सेंट्रल जेल में हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। अब कृष्ण कुमार की मौत के बाद एक ही मामले में 2 दोषियों की जेल में मौत हो चुकी है। तीसरा आरोपी फिलहाल जेल में बंद है।

- चर्चित संजय बिहारी हत्याकांड में दोषी था मृतक और तीन महीने पहले उम्रकैद की सजा सुनाई थी
- मृतक की पत्नी कृतिका ने बताया कि उनके पति ने जेल से बेटी को फोन कर अपनी तबीयत खराब होने की जानकारी दी थी

मृतक की पत्नी कृतिका ने बताया कि उनके पति ने जेल से बेटी को फोन कर अपनी तबीयत खराब होने की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि उनका शुगर लेवल 400 तक पहुंच गया है और रोज जांच के बावजूद कोई सुधार नहीं हो रहा। साथ ही जेल में दवाइयां भी नियमित रूप से नहीं मिल रही थी। कृतिका ने बताया कृष्ण कुमार को दो बार डॉक्टर को दिखाया, लेकिन तबीयत ज्यादा खराब लगने के बाद भी अस्पताल में भर्ती नहीं किया गया। परिवार ने जेल प्रशासन से जरूरत पड़ने पर आरबीएम अस्पताल या जयपुर में इलाज कराने की बात भी कही थी, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। परिजनों के अनुसार कृष्ण कुमार को अस्थमा, ब्लड प्रेशर और शुगर की गंभीर बीमारी थी। इसके बावजूद जेल प्रशासन ने समय पर समुचित इलाज नहीं कराया। मृतक रोज फोन कर अपनी खराब तबीयत की जानकारी देता था।

कृतिका ने बताया कि जेल गार्ड का कहना है कि उनके पति को रात करीब 2 बजकर 30 बजे अस्पताल लाया गया था और रात 3 बजे उनकी मौत हुई। वहीं डॉक्टरों का कहना है कि कैदी को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया। कृतिका ने कहा कि जिस संजय बिहारी हत्याकांड में उनके पति को सजा दी गई, उसमें कोई ठोस सबूत नहीं था। संजय बिहारी की पत्नी ने बयान दिया था कि हत्या शाम 5.30 बजे हुई, जबकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का समय 6.30 बजे बताया गया है। ऐसे में हत्या का आरोप उनके पति पर कैसे लगाया गया, यह समझ से परे है। इस हत्याकांड में तीन आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा हुई थी। दो महीने पहले 23 अक्टूबर 2025 को इसी मामले में दोषी नरेश सिंघल की सेंट्रल जेल में हार्ट अटैक से मौत हो चुकी है। अब तीन में से दो आरोपियों की जेल में मौत हो चुकी है।

यह मामला 28 जनवरी 2023 का है। कृष्ण कुमार उर्फ बेबी और नरेश सिंघल ने संजय बिहारी को फोन कर अपने घर बुलाया था। घर पहुंचने पर तीनों चाय पी रहे थे। इसी दौरान कृष्ण कुमार कमरे से कट्टा लाया और पीछे से संजय बिहारी को गोली मार दी। इलाज के दौरान संजय बिहारी की मौत हो गई। हिस्ट्रीशीटर संजय बिहारी की हत्या के मामले में सेशन कोर्ट ने तीनों आरोपियों को दोषी ठहराया था। 19 सितंबर 2025 को जिला एवं सेशन न्यायाधीश केशव कौशिक ने कृष्ण कुमार उर्फ बेबी को 60 हजार रुपए जुर्माने के साथ आजीवन कारावास और नरेश सिंघल को 50 हजार रुपए जुर्माने के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

दो ट्रकों की भिड़ंत में चालक की मौत, खलासी घायल

रामगंजमंडी, (निसं)। क्षेत्र के खैराबाद में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। खैराबाद बाईपास पर दो ट्रकों की आमने-सामने से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक ट्रक का चालक केबिन में फंस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ट्रक का खलासी गंभीर रुप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही

खैराबाद बाईपास पर हुये हादसे में ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया।

- टक्कर मारने वाला ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया

पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। बताया जा रहा है कि टक्कर मारने वाला ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

रामगंजमंडी थाना एसआई सुरेश मीणा ने बताया कि हादसे में आक्यापुरा, गरोठ, मंदसौर (मध्यप्रदेश) निवासी कालूनाथ की मौत हुई है। कालूनाथ रामगंजमंडी में ट्रक का कार्य करवाने आया हुआ था। वह रात करीब नौ बजे के बीच ट्रक की जांच कर रहा था। इसी दौरान खैराबाद से उंडवा रोड की ओर जा रहा प्याज से भरा ट्रक खैराबाद बायपास पर सामने से आ रहे दूसरे ट्रक से टकरा गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों और पुलिस की मदद से केबिन में फंसे चालक को बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में ट्रक का खलासी ईश्वर घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है तथा अनुसंधान जारी है। वहीं फरार ट्रक चालक की तलाश शुरु कर दी है। पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद मृतक का शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।

बीकानेर से भोपाल जा रही बस पलटी, 12 यात्री घायल

हादसा कोटा में एनएच 52 पर जगपुरा और कसार के बीच केवल नगर व आलनिया की सीमा में हुआ

कोटा, (निसं)। बीकानेर से भोपाल जा रही स्लीपर कोच बस नेशनल हाईवे 52 पर अचानक से अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस में सवार यात्रियों में से करीब 12 से अधिक यात्रियों को चोट लगी है, जिनमें से चार से पांच लोगों को अस्पताल में उपचार के लिये ले जाया गया,शेष घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया। बस पलटने की सूचना पाकर रानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

जानकारी के अनुसार हादसा नेशनल हाईवे 52 पर जगपुरा और कसार के बीच केवल नगर व आलनिया की सीमा में हुआ है। बस सड़क के साइड में पलटी हुई थी, ऐसे में उसमें फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला गया और तत्काल एंबुलेंस की मदद से निजी अस्पताल में भेजा गया। बस में 35 लोग थे सवार थे। रानपुर थाने के असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर राम सिंह ने बताया कि बीकानेर से भोपाल जा रही स्लीपर कोच बस नेशनल हाईवे 52 पर केवल नगर व आलनिया के समीप अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना में परिचालक घायल हो गया, जबकि चालक को चोट नहीं लगी है, घायलों में तीन चार महिलाएं भी हैं सभी को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है। एएसआई राम सिंह ने बताया कि मामले में सामने आया कि बस के आगें ट्रक चल रहा था और बस के आगे अचानक से कुछ आ जाने से बस अनियंत्रित होकर पलटा खा गई। एएसआई ने बताया कि घटना के बाद बस में सवार सभी लोग हाईवे पर साईड में आकर बैठ गए थे, दूसरी तरफ बस को क्रेन की मदद से सीधा किया गया और हाईवे से हटाया गया है।

जैसलमेर में पुलिस कॉन्स्टेबल ने सिर में गोली मारकर सुसाइड किया

फोरेंसिक टीम ने मौके से सबूत जुटाए, पुलिस ने सर्विस रिवॉल्वर को कब्जे में लिया, मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर पुलिस लाइन में कॉन्स्टेबल ने सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। कॉन्स्टेबल सुबह बाहर नहीं आया तो साथियों ने कमरा खटखटाया। कोई आवाज नहीं आने पर दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे तो कमरे में खून से सना शव पड़ा था। फिलहाल सरकारी क्वार्टर को सील कर दिया गया है। शनिवार सुबह दस बजे के बाद सूचना मिलने पर मौका मुआयना कर परिजनों को सूचित किया है। परिवार वालों के आने के बाद ही खोला जाएगा।

- कॉन्स्टेबल सुबह सरकारी क्वार्टर से बाहर नहीं आया तो साथियों ने कमरा खटखटाया
- कोई आवाज नहीं आने पर दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे तो कमरे में खून से सना शव पड़ा था

एसपी अभिषेक शिवहरे ने बताया कि कॉन्स्टेबल नरेंद्र मीणा 2015 बैच के थे, वो फिलहाल ड्यूटी पर थे। सवाईमाधोपुर के रहने वाले कॉन्स्टेबल नरेंद्र मीणा (30) की तैनाती जैसलमेर पुलिस लाइन में थी। पुलिस लाइन में ही वह अपने परिवार के साथ रहते थे। वर्तमान में उनका परिवार सवाईमाधोपुर गया है। वह घर में अकेले ही थे। शनिवार सुबह उनके आवास में कोई हलचल नहीं हुई तो साथी पुलिसकर्मियों को अनहोनी की आशंका हुई। आसपास रहने वाले पुलिसकर्मियों ने दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, पर कोई जवाब नहीं मिला। आखिरकार साथियों ने दरवाजा तोड़ दिया। अंदर सामने बेड पर नरेंद्र का शव पड़ा था। आसपास खून ही खून था।

पुलिस अधिकारियों द्वारा फोरेंसिक टीम को बुलाया गया। मौके से सबूत जुटाए गए। पुलिस ने सर्विस रिवॉल्वर को भी कब्जे में ले लिया है। बॉडी अभी कमरे में ही पड़ी है। परिजनों के आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार, कॉन्स्टेबल नरेंद्र मीणा पिछले कुछ दिनों से अकेले रह रहे थे। कुछ दिन पहले ही उनका परिवार सवाईमाधोपुर गया हुआ था। फिलहाल मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस जांच कर रही है।

तस्कर की कार में 28 किलो अफीम का दूध मिला

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जांच शुरु की

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की जिला पूर्व पुलिस ने डीएसटी के साथ मिलकर करवड़ क्षेत्र में एक कार चालक को रूकवाकर गाड़ी की तलाशी ली। कार से पुलिस को 28 पैकेट मिले हैं, जिसमें अफीम का दूध मिला, जिसका वजन 28 किलो 508 ग्राम है। पुलिस ने आरोपी को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर अग्रिम जांच आरंभ की है। कार्रवाई पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश के निर्देशानुसार की गई।

पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश, पुलिस उपायुक्त पीडी नित्या के निर्देशानुसार, एडीसीपी पूर्व विरेंद्र सिंह राठौड़ एवं एसीपी मंडोर के सुपरविजन में गठित टीम में शामिल पुलिस निरीक्षक किशनलाल मय डीएसटी पूर्व की टीम ने शुक्रवार की देर रात मंडलनाथ के पास सूचना के आधार पर नाकाबंदी की। एक कार में तस्कर द्वारा भारी मात्रा में मादक पदार्थ लाए जाने की जानकारी मिली। पुलिस ने करवड़ की तरफ आ रही कार को मंडलनाथ मार्ग पर रोका। सूचना पर संदिग्ध कार को रूकवाकर तलाशी ली। कार में सवार युवक से पूछताछ की गई।

डीसीपी ईस्ट पीडी नित्या ने बताया कि कार में 28 पैकेट मिले हैं जो कि वजन में एक-एक किलो के है। पैकेट में अफीम का दूध मिला है। यह वजन में 28 किलो 508 ग्राम पाया गया। कार चालक लोरडी पंडितजी, करवड़ निवासी नरपतसिंह राजपुरोहित को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की कार को भी जब्त किया गया है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण बनाया गया है। अग्रिम पड़ताल जारी है।

डोडा-चूरा सहित एक गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शक्करगढ़ पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार कर 4 किलो अवैध डोडा-चूरा जब्त किया है। थानाधिकारी पूरणमल ने बताया कि एक जनवरी को पुलिस टीम गश्त पर थी। खजूरी रोड पर पुलिस को देखकर एक सफेद ईको कार का चालक गाड़ी भगाने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे रुकवाया, लेकिन चालक गाड़ी छोड़कर भागने की कोशिश करने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपी शम्भुनाथ (29) पुत्र सुवानाथ निवासी चारभुजा छांबड़िया थाना जहाजपुर है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी पूरणमल के साथ कॉन्स्टेबल योगेश कल्याण (विशेष योगदान), मंगलराम, गजवीर, जगदीश और रामराज शामिल थे।

तलाकशुदा महिला से इंवेस्टमेंट के नाम पर 64 लाख की ठगी

महिला को ना तो धन का मुनाफा मिला और न ही निवेश किए रूपए मिले

जोधपुर, (कासं)। शहर के बीजेएस कॉलोनी जेएसबी में रहने वाली एक तलाकशुदा महिला को शातिरों ने अपनी ठगी का शिकार बना डाला। उससे इंवेस्टमेंट के नाम पर 64 लाख रूपए ऐंठ लिए और फिर साइट बंद कर दी। उसे ना तो मुनाफा मिला और ना ही डाली गई रकम फिर से हासिल हो पाई। महिला ने घटना को लेकर अब महामंदिर थाने में इसकी रिपोर्ट दी है। फिलहाल पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है और अग्रिम जांच आरंभ की है।

- महिला ने घटना को लेकर महामंदिर थाने में रिपोर्ट दी, पुलिस ने जांच आरंभ की

थानाधिकारी देवेंद्रसिंह ने बताया कि बीजेएस कॉलोनी में रहने वाली एक तलाकशुदा महिला ने यह रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसके तलाक होने पर काफी रकम मिली थी। वह रकम को लेकर किसी अच्छे से फंड में इस्तेमाल करना चाहती थी। बाद में उसने ऑनलाइन धन निवेश के लिए पता लगाया। तब वह किसी नादिर वर्मा और अन्य के संपर्क में आई। इन लोगों ने धन निवेश को डबल करने का लालच दिया। लालच में आकर वह शातिरों के चंगुल में फंस गई। शातिरों ने उसे धन निवेश के नाम पर अपने जाल में फंसा दिया। गत साल नवंबर माह में वह शातिरों के कहे अनुसार निवेश के नाम पर धन को लगाती रही। उसने पिता के रूपए भी निवेश के नाम पर लगा लिए। थानाधिकारी देवेंद्रसिंह ने बताया कि शातिरों ने उससे तकरीबन 64 लाख रूपयों की ठगी कर ली। उसे ना तो धन का मुनाफा मिला और नहीं निवेश किए रूपए वापिस मिल पाए। बदमाशों ने बाद में साइट को बंद कर डाला। ठगी की शिकार महिला ने महामंदिर थाने में रिपोर्ट दी है। थानाधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि प्रकरण दर्ज किया गया है, अग्रिम जांच की जा रही है।

छबड़ा थर्मल पॉवर प्लांट में तबीयत बिगड़ने से मजदूर की मौत

छबड़ा, (निसं)। छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट में शनिवार सुबह एक निजी कंपनी में कार्यरत मजदूर की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना से आक्रोशित मजदूर यूनियन ने प्लांट के मुख्य गेट पर धरना

- बताया जा रहा है कि प्लांट में एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं होने से सरकारी वाहन से चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया
- यूनियन की ओर से मृतक परिवार को 50 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की

घटना से आक्रोशित मजदूर यूनियन ने मांगों को लेकर प्लांट के मुख्य गेट पर धरना प्रदर्शन शुरू किया।

प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिवार में एकलौता कमाने वाला होने के चलते अब मृतक के परिवार के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है।

जानकारी अनुसार राजू मीणा (37) पुत्र ठाकुर सिंह निवासी नलखेड़ा बीनागंज जिला गुना (मध्यप्रदेश) सुबह करीब 11 बजे प्लांट की साइट पर काम कर रहा था। इसी दौरान उसकी अचानक तबीयत खराब हो गई और वह अचानक अचेत हो गिर पड़ा, जिसे वहां एकाएक रूप से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि प्लांट में एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं होने के कारण उसे सरकारी वाहन से छबड़ा उपजिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने मृत्यु का कारण हार्ट अटैक बताया है। बताया जा रहा है मृतक अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। उसके परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। मजदूर की मौत के बाद आर्थिक संकट गहरा गया है।

मजदूर यूनियन अध्यक्ष जगदीश अहीर ने बताया कि घटना के बाद मजदूर यूनियन के बैनर तले प्लांट गेट पर प्रदर्शन किया। यहां यूनियन की ओर से मृतक परिवार को 50 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग रखी गई है।

कंपनी के साइट इंचार्ज गौरव झा ने यूनियन को बताया कि मृतक की दोनों बेटियों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी तथा परिवार के दो सदस्यों को अस्थाई नौकरी देने का भी प्रस्ताव है, जो कंपनी के संचालन तक जारी रहेगी। बताया जा रहा है कि मजदूर यूनियन ने कंपनी के इस प्रस्ताव पर नाराजगी जाहिर करते हुए मांगें पूरी होने तक प्रदर्शन जारी रखने की चेतावनी दी।

टोंक में दो वांछित फरार आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन में निवाई थानाधिकारी घासीराम के नेतृत्व में गठित टीम ने थाने में दर्ज प्रकरण में वांछित आरोपी सूरज उर्फ गोन्या मोग्या पुत्र रामकुंवार निवासी कच्ची बस्ती पांच कुआं निवाई को जिला कारागृह टोंक से प्रोडेक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

इसी प्रकार पुलिस उपाधीक्षक मालपुरा आशीष प्रजापत के सुपरविजन में पचेवर थानाधिकारी प्रीति रत्नु द्वारा गठित थाना टीम ने थाने में दर्ज प्रकरण में फरार वांछित आरोपी मनीष बैरवा पुत्र रामकिशोर बैरवा निवासी दामोदरपुरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

इसके अलावा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन मे वृत्ताधिकारी पीपलू रामावतार एवं झिराना थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा लोकल स्पेशल एक्ट के तहत प्रभावी कार्यवाही करते हुये ग्राम रानोली से आरोपी कानाराम पुत्र विश्राम बावरिया (मोग्या) उनिवासी कठमाणा थाना झिराना को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो लीटर हथकड़ शराब जब्त की है। मामले में पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

एएसआई पर रिश्वत मांगने का मुकदमा दर्ज

बूंदी, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कोटा इकाई ने बूंदी जिले के गेंडोली थाने में तैनात एक एएसआई के खिलाफ रिश्वत मांगने के मामले में प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी एएसआई पर एक धोखाधड़ी के मुकदमे में आरोपियों के नाम हटाने और केवल एक व्यक्ति को आरोपी बनाने की एवज में 20 हजार रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है। एसीबी के अनुसार सत्यापन के दौरान आरोपी एएसआई ने परिवादी से 2 हजार रुपए की रिश्वत भी ले ली थी। हालांकि, बाद में उसे संदेह हो जाने के कारण उसने तय की गई शेष 18 हजार की राशि नहीं ली। बावजूद इसके, पुराने सत्यापन, वॉयस रिकॉर्डिंग और रिश्वत मांग के आधार पर एसीबी मुख्यालय जयपुर ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

जोधपुर में आपसी रंजिश में बदमाशों ने युवक को गोली मारी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में शनिवार को दिनदहाड़े फायरिंग से दहशत फैल गई। बदमाशों ने सरेराह एक युवक को गोली मारी दी। युवक को मथुरादास माथुर हॉस्पिटल ले जाया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गोली मारने वाले युवक को पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच आपसी रंजिश में गोली मारी गई है।

- पुलिस ने आरोपी को पकड़कर पिस्टल और कारतूस भी बरामद किया

वारदात की सूचना पर प्रताप नगर थानाधिकारी भवानी सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे। एडीसीपी (वेस्ट) रोशन मीणा ने भी घटना स्थल का जायजा लिया। पुलिस ने बताया कि घटना कमला नेहरू नगर के हुडको क्वार्टर चौराहे की है। फायरिंग में चांदणा भाखर, शिव कॉलोनी निवासी आकाश राव घायल हो गया। बदमाशों ने उसके पैर पर गोली मारी है। फायरिंग करने वाले बदमाश प्रदीप को सीएसटी टीम ने पकड़ लिया है। आरोपी से पिस्टल और कारतूस भी बरामद किया गया है।

गौरतलब है कि कमला नेहरू नगर हुडको चौराहा पर कुछ साल पहले सीसीटीवी कैमरा लगवाने के लिए पोल तो लगा था लेकिन कैमरा नहीं लगा। कुछ साल पहले इसी चौराहा पर टैक्सी जलाने की घटना भी हो चुकी है। महिलाओं और बच्चियों से छेड़छाड़ की घटना भी आम बात हैं। मुख्य चौराहे पर अतिक्रमण के कारण ट्रैफिक हर वक्त जाम रहता है। हैरानी की बात है कि इसी चौराहे पर नगर निगम का भी वार्ड ऑफिस है। इसके बावजूद अतिक्रमण है। पुलिस थाने से लगभग आधा किलोमीटर की दूरी पर यह चौराहा है। यहां पार्क में रात को बदमाशों का जमावड़ा रहता है। बदमाश प्रवृत्ति के लड़के सुबह से शाम तक यहां थड़ियों और चौराहे के पास खुली जगहों पर अड्डे बनाकर बैठे रहते हैं। रहवासियों का आरोप है कि यहां कई बार महिलाओं और बच्चियों से छेड़छाड़ की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस ने कभी इन अड्डों पर सख्ती नहीं की।

बीकानेर में बिना वैध वीजा रही दो विदेशी महिलाओं को पकड़ा

बीकानेर, (निसं)। बिना वैध वीजा और जरूरी दस्तावेजों के बीकानेर में रह रही दो विदेशी महिलाओं को पुलिस ने पकड़ा है। दोनों महिलाएं कोटगेट थाना क्षेत्र में एक किराए के मकान में रह रही थी, लेकिन उनके पास अनिवार्य सी फॉर्म और अन्य वैध दस्तावेज नहीं मिले। कार्रवाई जिले की कोटगेट थाना पुलिस ने रानी बाजार स्थित एक मकान पर रात करीब दस बजे की।

कोटगेट थानाधिकारी धीरेंद्र सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी कि रानी बाजार क्षेत्र में स्थित एक मकान में दो विदेशी महिलाएं रह रही है। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। जांच में सामने आया कि दोनों महिलाएं विदेशी नागरिक हैं और भारत में रहने से संबंधित नियमों का पालन नहीं कर रही थी। पकड़ी गई महिलाओं में एक उज्बेकिस्तान निवासी नर्गिज़ा कुर्बोनोवा है, जबकि दूसरी कजाकिस्तान की तुयचिएवा निलुफर है। दोनों के पासपोर्ट पुलिस ने जब्त कर लिए हैं। दोनों के संबंध में उच्चाधिकारियों को सूचना दी गई है।क थानाधिकारी ने बताया कि जांच में सामने आया कि मकान मालिक ने विदेशी नागरिकों को किराए पर मकान देने से पहले आवश्यक सूचना पुलिस या प्रशासन को नहीं दी गई थी। ऑनलाइन सी-फॉर्म भी जमा नहीं कराया गया। यह विदेशी विषयक अधिनियम 2025 की धारा 8/23 का उल्लंघन है। कोटगेट थाना पुलिस ने दोनों विदेशी महिलाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद डिटेंशन सेंटर भेजा है। मामले की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है। मकान मालिक रोचक और सीकर निवासी बाबूलाल के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

न्याय के प्रति विश्वास को कायम रखने में अधिवक्ता की विशेष भूमिका : देवनानी

बार एसोसिएशन उदयपुर की नवीन कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शिकरत की

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अधिवक्ता समाज की महत्वपूर्ण धुरी है। न्याय के प्रति विश्वास को कायम रखने में उनकी विशेष भूमिका है। अधिवक्ता अपने कार्य में शुचिता, सौहार्द और संवेदनशीलता का सम्मिश्रण करते हुए पीड़ित और जरूरतमंद को सस्ता और सुलभ न्याय दिलाने के लिए प्रयास करें। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शनिवार को आरएनटी मेडिकल कॉलेज के न्यू ऑडिटोरियम में उदयपुर बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश ज्ञानप्रकाश गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य जस्टिस रामचंद्रसिंह झाला तथा अतिरिक्त महाधिवक्ता डॉ. प्रवीण खण्डेलवाल रहे। प्रारंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। निवर्तमान अध्यक्ष चंद्रभानसिंह शक्तावत, महासचिव महावीरप्रसाद शर्मा, नव निर्वाचित अध्यक्ष जितेंद्र जैन, महासचिव लोकेश गुर्जर सहित पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। बार एसोसिएशन उदयपुर की परंपरा के अनुसार निवर्तमान अध्यक्ष शक्तावत ने नवीन अध्यक्ष जैन को शपथ दिलाई। वहीं अध्यक्ष जैन ने महासचिव सहित कार्यकारिणी को शपथ ग्रहण कराई।

बार एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने संबोधित किया।

- बार एसोसिएशन पदाधिकारियों ने विधानसभा अध्यक्ष से उदयपुर में हाईकोर्ट बैंच की लंबित मांग को पूर्ण कराने में सहयोग की अपील की

समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था का इतिहास काफी प्राचीन है। मनुस्मृति और कौटिल्य अर्थशास्त्र में भी इसका उल्लेख है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में अधिवक्ताओं का बड़ा योगदान रहा है। महात्मा गांधी, सरकार वल्लभभाई पटेल, लाला लाजपत राय, चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य, चितरंजन दास जैसे अनेकों अनेक स्वतंत्रता सैनानी पेशे से वकील रहे हैं। आजादी के बाद भारत के संविधान की रचना में भी अधिवक्ताओं की खास भूमिका रही है। समाज में न्याय की प्रतिष्ठा और सामाजिक संतुलन को बनाए रखने में आज भी अधिवक्ताओं की प्रांसगिकता स्वयं सिद्ध है। देवनानी ने कहा कि अधिवक्ता का कार्य सिर्फ अपने मुवक्किल के पक्ष में मुकदमा जीतना नहीं होना चाहिए, अपितु न्याय की सुनिश्चितता का ध्येय सर्वोपरि होना चाहिए। कानून पर समाज का भरोसा कायम रखने की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन और बैंच-बार की समान रूप से है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता युवाओं को प्रेरित और संस्कारित करें, ताकि न्याय की गरिमा बनी रहे। देवनानी ने कहा कि न्याय की देवी की आंखों पर पट्टी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने वह पट्टी हटा दी है। इससे न्याय के प्रति पारदर्शिता और निष्पक्षता के भाव और अधिक मजबूत होंगे। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन पदाधिकारियों ने विधानसभा अध्यक्ष से उदयपुर में हाईकोर्ट बैंच की लंबित मांग को पूर्ण कराने में सहयोग की अपील की। इस पर देवनानी ने आश्वस्त किया कि बार प्रतिनिधिमंडल के जयपुर आगमन पर मुख्यमंत्री, कानून मंत्री आदि से मुलाकात में वे सेतु की भूमिका निभाएंगे। साथ ही अपनी ओर से भी इसके लिए वकालत करेंगे।

मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड के पूर्व मैनेजर सहित तीन पर धोखाधड़ी का आरोप

अलवर, (निसं)। अलवर में शहर के हनुमान सर्किल स्थित मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड शाखा में गोल्ड लोन के नाम पर फर्जीवाड़ा सामने आया है। मामले में परिवादी रविन्द्र सिंह ने फाइनेंस कंपनी के पूर्व शाखा प्रबंधक, कर्मचारी सहित तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और षड्यंत्र रचने के आरोप लगाए हैं।

परिवादी रविन्द्र सिंह पुत्र हरि सिंह निवासी सीताहर टिटपुरी, हाल निवासी शिवाजी नगर पालका अलवर ने बताया कि उसने जुलाई 2024 में मणप्पुरम फाइनेंस की हनुमान सर्किल शाखा से दो गोल्ड लोन लिए थे। इनमें पहले लोन की राशि 1 लाख 60 हजार 310 रुपए और दूसरे लोन की राशि 1 लाख 15 हजार रुपए थी। परिवादी ने बताया कि उसने दोनों गोल्ड लोन की पूरी राशि 21 नवंबर 2025 को जमा कर दी, लेकिन जब वह अपना गिरवी रखा सोना लेने पहुंचा तो कंपनी कर्मचारियों ने गोल्ड लौटाने से मना कर दिया। आरोप है कि कंपनी के कर्मचारी राहुल ने कहा कि परिवादी के नाम से एक तीसरा गोल्ड लोन भी चल रहा है, जिसे पहले बंद कराना होगा। परिवादी के अनुसार उसने तीसरे लोन से पूरी तरह मना किया, लेकिन कंपनी द्वारा अक्टूबर 2024 का एक कथित गोल्ड लोन दिखाया गया, जिसकी राशि करीब 1 लाख 10 हजार रुपए बताई गई। जब परिवादी ने लोन के दस्तावेज देखे तो उसमें किसी अन्य व्यक्ति की फोटो लगी हुई थी और फॉर्म पर किए गए हस्ताक्षर भी फर्जी पाए गए। परिवादी का कहना है कि उसने न तो ऐसा कोई आवेदन भरा और न ही तीसरे गोल्ड लोन के लिए कोई सोना जमा कराया।

- कस्टमर के नाम से फर्जी लोन उठाया, गोल्ड लोन चुकाने के बाद भी नहीं मिला जेवर

परिवादी ने यह भी आरोप लगाया कि वर्ष 2024 में तत्कालीन शाखा प्रबंधक दिलीप कुमार शर्मा का फोन आया था, जिसमें बताया गया कि गलती से किसी अन्य ग्राहक की राशि 1 लाख 9 हजार रुपए उसके खाते में चली गई है। विश्वास में आकर परिवादी ने यह राशि दिलीप शर्मा और कर्मचारी राहुल के खातों में ट्रांसफर कर दी। बाद में यही रकम फर्जी गोल्ड लोन से जुड़ी पाई गई।

परिवादी का आरोप है कि आरोपियों ने आपसी षड्यंत्र रचकर फर्जी दस्तावेज, फर्जी फोटो और फर्जी हस्ताक्षरों के जरिए उसके नाम से नकली गोल्ड लोन उठाया और रकम हड़प ली। जब परिवादी ने थाना वैशाली नगर में रिपोर्ट दर्ज करानी चाही तो पुलिस ने न्यायालय से आदेश लाने को कहा, जिसके बाद इस्तगासे से थाने में मामला दर्ज हुआ है।

स्मैक सहित तीन युवक गिरफ्तार, कार जब्त

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देश पर सरवाड़ पुलिस ने शनिवार को अवैध स्मैक के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार कर एवं कार जब्त की है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

सरवाड़ थानाधिकारी रामपाल शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम ने पुलिस थाने के बाहर नाकाबंदी के दौरान अवैध मादक पदार्थ स्मैक 3.60 ग्राम व एक कार को जब्त किया। वहीं पुलिस टीम ने नरपतराम पुत्र मनीराम विश्नोई निवासी गांव रेण पुलिस थाना मेड़ता रोड जिला नागौर व शेर सिंह पुत्र धर्मरामि विश्नोई नेणास पुलिस थाना मेड़ता रोड नागौर एवं सुनील कुमार पुत्र भंवरलाल विश्नोई निवासी मेड़ता रोड जिला नागौर को गिरफ्तार किया। वहीं पूछताछ एवं तलाशी ली गई, जिस पर अवैध मादक पदार्थ मिला। इस दौरान पुलिस टीम में सरवाड़ थानाधिकारी रामपाल शर्मा, शुभकरण दातार सिंह, हरिराम व कमलेश कुमार ने अहम भूमिका निभाई।

कोटा बाल सुधार गृह से गार्ड को चकमा देकर दो नाबालिग फरार

कोटा, (निसं)। बाल सुधार गृह से शनिवार को दो नाबालिग के फरार होने का मामला सामने आया है। दोनों फरार नाबालिग में से एक पर चाकू दिखाकर लूट की वारदात का मामला था एवं दूसरा नाबालिग पर बच्चे के अपहरण का मामला था।

जानकारी के अनुसार दोनों नाबालिग बाल सुधार गृह में तैनात गार्ड को चकमा देकर मौका पाकर फरार हो गये। मामला आरकेपुरम् थाना क्षेत्र का है। दोनों नाबालिग के फरार होने की सूचना आरकेपुरम पुलिस को दी गई,

- एक पर लूट व दूसरे पर अपरहण का मामला बताया जा रहा है

सूचना पाकर आरकेपुरम् पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन की। पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा ने बताया कि उद्योग नगर थाना इलाके में चाकू दिखाकर लूट की वारदात के मामले में बालसुधार गृह में बंद 16 वर्षीय नाबालिग एवं गुमानपुरा थाने में बच्चे के अपहरण के आरोप में बाल सुधार गृह में सजा काट रहा 17 वर्षीय नाबालिग दोनों बाल सुधार गृह से फरार हो गये। दोनों के फरार होने का मामला दर्ज कर लिया है। दोनों फरार नाबालिग की तलाश के लिये टीमें गठित कर दी है एवं पूरे मामले की जांच की जा रही है कि मामले में किसी गलती कहा हुई है। पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि बाल सुधार गृह में सुरक्षा के लिये प्राईवेट गार्ड को तैनात किया हुआ है, मामले की हर पहलू पर जांच की जा रही हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कोटा-हाड़ौती ट्रैवल मार्ट में प्रदर्शनी का शुभारंभ किया

कोटा, (निसं)। उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने एक नव पहल के रूप में कोटा में आयोजित तीन दिवसीय कोटा हाड़ौती ट्रैवल मार्ट के दूसरे दिन शनिवार को कोटा में सिटी हिल आर्ट में ट्रैवल मार्ट में बी2बी प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने वहां लगी स्टॉल्स का अवलोकन भी किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने देश के 26 राज्यों से आए ट्रैवल एजेंट्स, टूर ऑपरेटर्स, होटल व्यवसाय से जुड़े प्रतिनिधियों की उपस्थिति में

- 'कोटा हाड़ौती ग्लोबल टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में उभरेगा'

प्रदर्शनी का अवलोकन करने के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राजस्थान सरकार का विजन है कि राज्य की राजधानी के अलावा भी अन्य शहरों में भी ट्रैवल मार्ट तथा अन्य आयोजन किये जाए जिससे कि स्थानीय स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के ऐसे स्थान जहां अभी तक पर्यटन उस स्तर पर विकसित नहीं हुआ है ऐसे अनछुए पर्यटक स्थलों पर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए। दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान आने वाले पर्यटकों के कैलेंडर में कोटा हाडौती भी शामिल हो इस हेतु प्रयास किया जा रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने बी2बी प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया।

दिया कुमारी ने कहा कि कोटा-हाड़ौती ट्रेवल मार्ट 2026 केवल एक व्यापारिक आयोजन नहीं, बल्कि हाड़ौती क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान, प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन क्षमता को नई दिशा देने का सशक्त माध्यम है। यह आयोजन राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में और अधिक मजबूत बनाने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कोटा में अब एयरपोर्ट भी शुरू होगा, रोड कनेक्टीविटी भी विकसित हुई है। कोटा हाड़ौती ट्रेवल मार्ट के माध्यम से राजस्थान सरकार ने पहली बार प्रयास किया गया है कि क्षेत्र भी पर्यटन मानचित्र में उभर कर आए। इस आयोजन में बड़ी संख्या में होटेलियर्स और टूर ऑपरेटर्स की सहभागिता तथा स्थानीय लोगों का उत्साह प्रशंसनीय है। यह आयोजन हाड़ौती क्षेत्र को एक उभरते हुए पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कोटा हाड़ौती ग्लोबल टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में उभरेगा। दिया कुमारी ने होटल फैडरेशन ऑफ राजस्थान की स्टॉल का अवलोकन किया तथा इस अवसर पर फैडरेशन के अध्यक्ष हुसैन खान, कोटा संभाग अध्यक्ष अशोक माहेश्वरी, संरक्षक सुरेंद्र सिंह शाहपुरा, महासचिव रणविजय सिंह सहित फैडरेशन के सभी संभागों के पदाधिकारियों की ओर से उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का स्वागत किया गया एवं पुष्पगुच्छ भेंट किया गया। उप मुख्यमंत्री ने होटल फैडरेशन ऑफ राजस्थान की कोटा संभाग की स्मारिका का विमोचन भी किया। पर्यटन आयुक्त रूकमणी रियाड़ ने बताया कि कोटा-हाड़ौती ट्रेवल मार्ट के माध्यम से कोटा, बूंदी, झालावाड़ और बारां जैसे हाड़ौती अंचल के जिलों की पर्यटन संभावनाओं को एक साझा मंच पर प्रस्तुत किया गया है। इससे हाड़ौती क्षेत्र में पर्यटन निवेश नए पर्यटन उत्पादों के विकास तथा रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।

थर्मोकोल के खाली बक्सों से भरे मिनी ट्रक आग लगी

टोंक, (निसं)। देवली के समीप स्थित चिंताहरण बालाजी तिराहे पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब थर्मोकोल के खाली बक्सों से भरे एक मिनी ट्रक में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही पलों में ट्रक आग के गोले में तब्दील हो गया। इस दौरान ट्रक चालक ने आग के पता चलते हुए समझदारी दिखाते हुए ट्रक को सड़क से नीचे उतार दिया तथा समय रहते आग पर काबू पा लिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देवली थाना क्षेत्र की गोपीपुरा कॉलोनी निवासी नीरज पांचाल चालक ने अपने मिनी ट्रक के किसी हिस्से की वेल्डिंग करवाने के लिए चिंताहरण बालाजी क्षेत्र में आया था। इसी दौरान ट्रक की बैटरी में शॉर्ट सर्किट होने से ट्रक में रखे थर्मोकोल के बक्सों ने आग पकड़ ली। थर्मोकोल की वजह से आग चंद सेकंड में पूरे ट्रक में फैलने लगी। हालात की गंभीरता को भांपते हुए चालक ने तुरंत ट्रक स्टार्ट किया और डिवाइडर पार कर सड़क के नीचे उतार लिया। बाद में वहां पास में उपलब्ध पानी की मोटर को चालू कर पानी की बौछारें डालकर आग पर काबू पाया गया।

पानी की मोटर से पानी डालकर आग पर काबू पाया।

दिया कुमारी का टोंक में स्वागत

टोंक, (निसं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का मुख्यालय स्थित होटल पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कार्यकर्ताओं को उन्होंने संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने का संदेश दिया।

लॉरेंस गैंग के लिए रंगदारी मांगने के मामले में पांच गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। लॉरेंस गैंग के लिए 91 लाख की रुपए की रंगदारी मांगने के मामले में रायसिंहनगर थाना पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक नौ आरोपी पकड़े जा चुके हैं। इससे पहले पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से इनोवा क्रिस्टा कार में 91 लाख कैश बरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जिसमें बाप-बेटा भी शामिल थे।

रायसिंहनगर थाना पुलिस ने गश्त-नाकाबंदी के दौरान बाजुवाला चौक पर एक ईनोवा क्रिस्टा कार में सवार तीन आरोपियों को रोककर पूछताछ की थी, जिनके कब्जे से रंगदारी के 90 लाख 84 हजार 900 रुपए बरामद किए थे। पूछताछ के बाद एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस इन्वेस्टिगेशन में सामने आया कि आरोपी साहिल उर्फ शंटी व अक्षय, दोनों आरजू बिश्नोई व लॉरेंस गैंग के लिए काम करते हैं। आरोपी लोगों को जान से मारने की धमकी देकर संगठित आपराधिक गैंग बनाकर फिरौती वसूल करते हैं। पुलिस ने इससे पहले चार आरोपियों कुलदीप कुमार, अमन कुमार, रामस्वरूप, योगेश कुमार को गिरफ्तार किया था, जो पुलिस रिमांड पर चल रहे है। वहीं, अब आरोपी जयमल जांदू, जयपाल जांदू, मनीष बिश्नोई, घनश्याम बिश्नोई, बलविन्द्र उर्फ विनोद भादू को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिनसे और भी बड़े खुलासे होने की संभावना है।

पाइप लाइन टूटने से मुख्य सड़क पर भरा पानी

चूरू, (कासं)। भालेरी रोड़ पर स्थित पंचायत समिति के सामने पाइप लाइन टूट जाने से बिना बारिश के ही मुख्य सड़क पर भारी मात्रा में पानी एकत्रित हो गया है। इससे यहां दुर्घटनाएं हो रही है। वहीं आमजन को काफी परेशानी हो रही है। उल्लेखनीय है कि यहां से कलैक्टर का कार्यालय सिर्फ 100 मीटर की दूरी पर ही है। कलैक्टर सहित कई उच्च अधिकारी और जनप्रतिनिधि रोजाना इस मार्ग से गुजरते हैं, परन्तु समस्या का समाधान कोई नहीं कर रहा है।

पशुधन निरीक्षकों से चुनाव कार्य करवा रहे हैं भरतपुर एसडीएम

भरतपुर, (निसं)। मूक प्राणियों की चिकित्सा करने वाले पशुधन निरीक्षकों को जिला प्रशासन ने चुनाव ड्यूटी में बीएलओ व चुनाव पर्यवेक्षण कार्य में लगाकर पशुपालकों को मुसीबत में डाल दिया है। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रतिनिधि मंडल ने अतिरिक्त जिला कलैक्टर घनश्याम शर्मा को मांग पत्र सौंपा।

- पशु धन निरीक्षकों को बीएलओ व चुनाव पर्यवेक्षण कार्य में लगाकर पशुपालकों को मुसीबत में डाला

मांग पत्र में बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान जयपुर के 4 अगस्त 2018 एवं 17 अक्टूबर 2023 को जारी आदेश में स्पष्ट है कि पशु चिकित्सा कार्य आवश्यक सेवाओं में है, अत: पशु चिकित्सा कार्य करने वाले पशुधन निरीक्षक व पशु चिकित्सा अधिकारियों की किसी भी परिस्थिति में चुनाव ड्यूटी नहीं लगाई जावे। एसडीएम भरतपुर ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी जयपुर के आदेशों का उल्लंघन करते हुए पशुधन निरीक्षकों की बीएलओ व चुनाव कार्य में ड्यूटी लगा दी है। अधिकांश पशु चिकित्सा संस्थाओं में एक ही पशुधन निरीक्षक की ड्यूटी है, जिससे गरीब पशुपालक अपने पशुओं को इलाज कराने से वंचित हो रहे हैं।

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने अति. जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपकर ड्यूटी निरस्त करने की मांग की।

कर्मचारी संयुक्त महासंघ के पदाधिकारियों ने मांग की है कि पशुधन निरीक्षकों की चुनाव कार्य में लगाई गई ड्यूटी अविलंब निरस्त की जाये एवं भविष्य में भी पशु चिकित्सा से जुड़े पशुधन निरीक्षक व पशु चिकित्सा अधिकारियों की ड्यूटी नहीं लगाई जाये। अतिरिक्त जिला कलैक्टर शर्मा ने ड्यूटी निरस्त करने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिला महामंत्री ब्रजमोहन शर्मा पटवारी, पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ के जिला मंत्री सुनील कुमार, संयोजक विष्णु कुमार, रामकिशोर गोयल पशुधन निरीक्षक, मनीष कुमार पशुधन निरीक्षक, मीडिया प्रभारी नरेश कुमार पशुधन निरीक्षक, प्रदीप कुमारी पशुधन निरीक्षक, कीर्ति कुमारी पशुधन निरीक्षक तथा पशुधन निरीक्षक कविता सिंह मौजूद थी।

महासंघ के मीडिया प्रभारी प्रेम मंगल ने बताया कि चार जनवरी को भरतपुर तहसील के मीटिंग हॉल में महासंघ की जिला महासमिति की बैठक होगी जिसमें सभी ब्लॉक पदाधिकारी व जिला पदाधिकारी एवं सभी विभागों के जिला अध्यक्ष, जिला मंत्री एवं पदाधिकारी आवश्यक रूप से उपस्थित रहेंगे। बैठक में 12 जनवरी को जयपुर में होने वाली कर्मचारी संयुक्त महासंघ की ऐतिहासिक चेतावनी महारैली में अधिक से अधिक संख्या में कर्मचारियों को जयपुर ले जाने पर विचार विमर्श किया जाएगा। एवं सभी विभागीय जिला अध्यक्ष व जिला मंत्रियों को आवश्यक दायित्व सौंपे जाएंगे।

बूंदीवासियों को 'नगर वन' की सौगात मिलेगी

बूंदी, (निसं)। बूंदी शहर व आसपास के गांवों के साथ साथ राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर बूंदी टनल से गुजरने वाले राहगीरों को नए साल में जल्दी ही नगर वन की सौगात मिलेगी। वन विभाग ने 72 लाख की लागत से बनने वाले नगर वन का काम शुरू कर दिया है। प्रथम चरण में यहां 50.40 लाख रुपये के टेंडर हुए थे जिनका काम शुरू हो गया है। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन में बन रहे इस नगर वन के तैयार होने से बूंदी के प्राकृतिक सौंदर्य में एक सौगात ओर जुड़ने वाली है।

वन विभाग ने टाइगर रिजर्व क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 52 स्थित टनल के पास विलायती बबूलों से अटे पड़े 18 हेक्टेयर वन क्षेत्र को नगर वन के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत टनल के बाहर बूंदी शहर के नजदीकी जंगल को चुना गया है। उम्मीद है कि जल्दी ही शहर के लोगों को घूमने के लिए शुद्ध प्राकृतिक वातावरण का नया ऑक्सीजोन मिलेगा। शहर के नजदीक हाइवे पर बनने वाले नगर वन में बिलायती बबूलों को हटाने का कार्य शुरू हो गया है। यहां जल्दी ही तार फेंसिंग, बोरिंग मय सोलर पंप, प्रवेश द्वार, प्राकृतिक झोपड़ियां, सुविधाएं व फलदार व छायादार पेड़ पौधे लगाए जाएंगे। गौरतलब है कि कोटा से जयपुर जाते समय टनल के दोनों तरफ यात्रियों का ध्यान जाता है जहां विलायती बबूलों का जंगल दिखता है। अब यहां नगर वन बनने से उम्मीद जताई जा रही है कि यह क्षेत्र अब यहां से गुजरने वाले राहगीरों को भी आकर्षित करेगा तथा क्षेत्र की जैवविविधता भी समृद्ध होगी।

वन विभाग ने विलायती बबूलों से अटे 18 हेक्टेयर वन क्षेत्र को विकसित करने की प्रक्रिया शुरू की।

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर बूंदी टनल के पास कोटा की तरफ वाले सिरे पर विकसित किए जा रहे नगर वन के साथ सिटी पार्क विकसित करने की भी योजना है। वन विभाग ने इसके लिए टनल से लगते अस्तोली की तरफ के जंगल में सिटी पार्क के लिए प्रस्ताव भेजा है। नगर वन के पास ही सिटी पार्क बनने से टनल के दोनों तरफ हरा भरा सुंदर ऑक्सीजोन मिलने की उम्मीद है।

किसान बोले जनवरी में नहरबंदी नहीं लेने देंगे

- बीकानेर कैनाल को भी फिरोजपुर फीडर से ही पानी मिलता है, ऐसे में किसानों को जनवरी में नहरबंदी से फसलें बर्बाद होने का भय सता रहा है, ऐसी स्थिति के चलते अब किसान एकजुट हो गए हैं
- फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण के लिए पंजाब जल संसाधन विभाग ने टेंडर कर दिए हैं। अब फीडर में हरिके बांध से पानी का प्रवाह बंद कर पुनर्निर्माण शुरू किया जाना है

श्रीगंगानगर, (कासं)। फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण के लिए पंजाब जल संसाधन विभाग ने टेंडर कर दिए हैं। अब फीडर में हरिके बांध से पानी का प्रवाह बंद कर पुनर्निर्माण शुरू किया जाना है, लेकिन नहरबंदी कब से होगी। इसको लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। बीकानेर कैनाल को भी फिरोजपुर फीडर से ही पानी मिलता है। ऐसे में किसानों को जनवरी में नहरबंदी से फसलें बर्बाद होने का भय सता रहा है। ऐसी स्थिति के चलते अब किसान एकजुट हो गए हैं।

किसानों का कहना है कि जनवरी में किसी भी हालात में नहरबंदी नहीं लेने देंगे। किसानों ने 5 जनवरी को गुरूद्वारा सिंहसभा में बैठक कर आंदोलन का निर्णय लेने का ऐलान किया है। ग्रामीण किसान मजदूर समिति के प्रवक्ता संतवीर सिंह मोहनपुरा ने बताया कि जिला स्तर पर होने वाली रेगुलेशन समिति की बैठक में भी विधायकों की उपस्थिति में विभाग के अधिकारियों से फिरोजपुर फीडर का पुनर्निर्माण कब से शुरू करने, नहरबंदी के दौरान बीकानेर कैनाल को वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर पानी देने के बारे में पूछा गया लेकिन अधिकारियों से कोई जवाब नहीं दिया।

इसके बाद जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को बार-बार ज्ञापन देकर नहरबंदी के संबंध में जानकारी देने, नहरबंदी से पूर्व बीकानेर कैनाल में अतिरिक्त पानी देने, लगातार तीन-तीन सिंचाई सुविधाएं देने, नहरबंदी के दौरान वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर खखां हैड पर 1600 क्यूसेक पानी देने की मांग की गई। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अब तक अतिरिक्त पानी भी नहीं मिला है। ऐसे में जनवरी में नहरबंदी हुई तो फसलें बर्बाद हो जायेगी। नहरबंदी कब से होगी उच्चाधिकारी वार्ता कर रहे हैं। नहरबंदी कब से ली जायेगी। इस संबंध में जानकारी नहीं है।

उन्होंने बताया कि जनवरी माह में नहरबंदी किसी भी सूरत में नहीं लेने दी जायेगी। पांच जनवरी को सभी किसान संगठनों से जुड़े किसान गुरूद्वारा सिंहसभा में एकत्रित होकर बैठक करेंगे तथा प्रशासन से वार्ता की जायेगी। संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो आंदोलन किया जायेगा। किसानों के पास आंदोलन के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है। हम अपनी फसलें बर्बाद नहीं होने देंगे।

धीरज चावला, अधीक्षण अभियंता, जल संसाधन विभाग श्रीगंगानगर का कहना है कि फिरोजपुर फीडर पुनर्निर्माण के लिए नहरबंदी को लेकर उच्चाधिकारियों की ओर से पंजाब के अधिकारियों से वार्ता की जा रही है। वैसे बीकानेर कैनाल में नहरबंदी के दौरान पानी देने की वैकल्पिक व्यवस्था करने के बाद ही बंदी ली जायेगी।

एमडी, डोडा-पोस्त सहित गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। कोलायत थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के कब्जे से एमडी (मेफेड्रोन), गांजा और डोडा पोस्त का चूरा व छिलका बरामद किया गया है। फिलहाल दोनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार बीकानेर रेंज आईजी ओमप्रकाश शर्मा और पुलिस अधीक्षक कोलायत के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) बनवारीलाल मीणा और वृत्ताधिकारी कोलायत के सुपरविजन में थाना प्रभारी जसवीर कुमार पुनी ने डीएसटी टीम के साथ ऑपरेशन को अंजाम दिया।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कोलायत क्षेत्र में एक दुकान से मादक पदार्थों की सप्लाई की जा रही है। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए गहलोत रेस्टोरेंट पर दबिश दी। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से 6.39 ग्राम एमडी, 2 किलो 250 ग्राम गांजा, कुल 6 किलो 866 ग्राम डोडा पोस्त चूरा व छिलका बरामद किया गया। पुलिस ने मौके पर बाबू उर्फ गणपत गहलोत निवासी निवासी वार्ड नंबर 10, कोलायत दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

एलआईसी पॉलिसी करने के नाम पर ठगी

- 10 साल में 7 लाख रिटर्न का झांसा दिया, आरोपी ने पैसे लौटाने से मना किया
- 1.35 लाख रूपये देने के बाद पीड़ित ने पॉलिसी की कॉपी मांगी तो टालता रहा

श्रीगंगानगर, (कासं)। एलआईसी पॉलिसी करने का झांसा देकर बुजुर्ग से लाखों रूपए की ठगी करने का मामला सामने आया है।

आरोपी ने बुजुर्ग व लड़की को 10 साल में 7 लाख का रिटर्न मिलने का झांसा दिया और पैसे हड़प लिए। आरोपी अब पैसे लौटाने से मना कर रहा है। मामला श्रीगंगानगर जिले के पदमपुर क्षेत्र का है।

एसीजेएम कोर्ट पदमपुर में दी शिकायत में देवराज (50) निवासी 3 जेजे (पदमपुर) ने बताया कि उसकी लड़की जयपुर में टीईटी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। तभी आरोपी मनोज कुमार निवासी सिंहाना (झुंझुनूं) की लड़की से मुलाकात हुई। मनोज कुमार ने लड़की को बताया कि वह टीचर और एलआईसी का एजेंट है। वह लोगों की पॉलिसी करता है। इसके बाद आरोपी ने लड़की से कहा कि एलआईसी में एक शानदार स्कीम आई है। आपको एक बार में 1.35 लाख रूपए जमा करने होंगे। 10 साल बाद 7 लाख का रिटर्न मिलेगा।

लड़की ने आरोपी को पैसे देने से मना कर दिया। जिसके बाद आरोपी ने लड़की के पिता देवराज से बात की। देवराज ने मनोज की बातों पर भरोसा किया और उसके झांसे में आ गया। बाद में देवराज ने अलग-अलग किस्तों में टोटल 1.35 लाख रूपए आरोपी मनोज कुमार को एलआईसी की पॉलिसी करने के नाम पर दे दिए।

पैसे देने के बाद जब देवराज ने पॉलिसी की कॉपी मांगी तो मनोज टालता रहा। आरोपी ने कहा कि पॉलिसी उसके पास है। 10 साल बाद सीधे अकाउंट में पैसे ट्रांसफर करवा देगा। बाद में आरोपी ने कहा कि उसने कोई पॉलिसी नहीं की थी। उसने ठगी करनी थी जो कर ली। अब जो करना है कर लो। उसके बाद देवराज ने पुलिस थाना पदमपुर में शिकायत दी लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। बाद में कोर्ट में शिकायत देकर मामला दर्ज कराया। फिलहाल कोर्ट के आदेश पर पदमपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच एसआई राजेंद्र कुमार कर रहे हैं।

सार-समाचार

जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर बांटे

हनुमान सेवा समिति ने वल्लभ गार्डन स्थित आंगनबाड़ी के बच्चों को स्वेटर बांटे।

बीकानेर, (कासं)। श्री गुरू अर्जुनदास सत्संग भवन एवं श्री रूद्र हनुमान सेवा समिति द्वारा नव वर्ष के तीसरे दिन लगातार सेवा कार्य जारी रहे। वल्लभ गार्डन स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र 33 में कच्ची बस्ती में जरूरतमंद बच्चों व महिलाओं को सर्दियों के वस्त्र व चॉकलेट वितरण किए गए। इसमें सैकड़ों लोग लाभान्वित हुए। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी की कार्यकर्ता सरोज व सहायिका सुमन नायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समिति के अभिषेक गुप्ता, उषा गुप्ता, अनिल स्वामी, वैभव, हिमांशी, मयंक, मोहित किराडू, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरोज, सहायिका सुमन व अन्य सदस्य उपस्थित रहे। उषा गुप्ता ने बताया कि संस्था द्वारा वर्ष में 5-6 बार वस्त्र वितरण कार्यक्रम मौसम के अनुकूल किया जाता है। यह कार्य आगे भी जारी रहेगा। सहायिका सुमन द्वारा संस्था व सदस्यों को कार्यक्रम के लिए धन्यवाद व आभार दिया गया। श्री गुरू अर्जुनदास द्वारा कहा गया कि वस्त्रदान महादान है। दान को पुण्य प्राप्ति का सर्वोत्तम माध्यम माना जाता है। दान व्यक्ति के पापों को नष्ट करने, सुख-समृद्धि बढ़ाने और मोक्ष प्राप्ति में सहायक कर्म बताया गया है। ऐसा माना जाता है कि शुद्ध भाव से किया गया दान न केवल दान करने वाले व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है, बल्कि यह उसके पूर्व जन्मों के कर्मों का भी निवारण करता है।

कीमो के बाद महिला को पैरालिसिस

बीकानेर, (कासं)। आचार्य तुलसी रीजनल कैंसर रिसर्च सेंटर में चिकित्सा लापरवाही का एक और गंभीर मामला सामने आया है। कुछ दिन पहले गलत ब्लड ग्रुप चढ़ाने की घटना के बाद अब लिवर कैंसर से पीडित महिला मरीज को कीमोथैरेपी दिए जाने के बाद पैरालिसिस हो गया। आरोप है कि गंभीर स्थिति के बावजूद तीन दिन तक किसी सीनियर डॉक्टर ने मरीज को नहीं देखा। मरीज के पति कृष्णलाल ने बताया कि वे अपनी पत्नी मुक्ता देवी को 25 दिसम्बर को हनुमानगढ़ से इलाज के लिए बीकानेर लाए थे। 31 दिसम्बर को कैंसर विभाग में डॉक्टर मुकेश सिंघल को दिखाने के बाद महिला को कीमोथैरेपी दी गई। परिजनों का आरोप है कि कीमो लगने के उसी रात महिला के हाथ-पैर और शरीर के आधे हिस्से ने काम करना बंद कर दिया। हालत गंभीर होने के बावजूद कैंसर विभाग के ड्यूटी डॉक्टरों ने केवल एमआरआई सहित अन्य जांचें लिख दी। परिजनों का कहना है कि सभी जरूरी जांचें करवा लेने के बाद भी न तो पैरालिसिस के इलाज की शुरुआत की गई और न ही किसी सीनियर डॉक्टर ने मरीज की स्थिति देखने की जरूरत समझी। आरोप है कि डॉक्टर स्पष्ट जवाब देने से भी बचते रहे। लगातार सामने आ रही घटनाओं ने कैंसर विभाग की कार्यप्रणाली और मरीजों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब यह देखना होगा कि इस मामले में जिम्मेदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है। इस मामले में केबिनेट मंत्री सुमित गोदारा के सामने पत्रकारों ने ये मुद्दा रखा।

किडनी ट्रांसप्लांट सेंटर अब अंतिम चरण में, ट्रेनिंग के बाद होगा शुरू

- बीकानेर में किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा न होने से जयपुर, जोधपुर या राज्य से बाहर जाना पड़ता है

बीकानेर, (कासं)। पश्चिमी राजस्थान के किडनी मरीजों के लिए राहत भरी खबर सामने आ रही है। सरदार पटेल आयुर्विज्ञान महाविद्यालय एवं पीबीएम अस्पताल बीकानेर में प्रस्तावित किडनी ट्रांसप्लांट सेंटर अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है। करोड़ों का बुनियादी ढांचा तैयार है, विशेषज्ञ टीम निरीक्षण कर चुकी है और अब केवल यूरोलॉजी एवं नेफ्रोलॉजी टीम के प्रशिक्षण की औपचारिक प्रक्रिया पूरी होना बाकी है।

महत्वपूर्ण यह है कि दोनों विभागों के एचओडी को 10-10 किडनी ट्रांसप्लाट की ट्रेनिंग करनी थी, जिनमें से 20 में से 15 प्रशिक्षण ट्रांसप्लाट पूरे हो चुके हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि जनवरी-फरवरी 2026 तक शेष प्रशिक्षण पूरा होते ही बीकानेर में किडनी ट्रांसप्लाट सुविधा शुरू हो जायेगी। पीबीएम अस्पताल का किडनी ट्रांसप्लाट सेंटर न केवल बीकानेर बल्कि पूरे पश्चिमी राजस्थान के लिए जीवनदान केन्द्र साबित होगा।

पीबीएम अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लाट यूनिट के लिए अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, हाईटेक आईसीयू, ट्रांसप्लाट से जुड़े सभी आधुनिक उपकरण पूरी तरह तैयार किए जा चुके हैं। इस पूरे प्रोजेक्ट पर अब तक करीब 7.29 करोड़ से अधिक की राशि खर्च हो चुकी है। हाल ही में जयपुर से आई विशेषज्ञ टीम ने यूनिट का निरीक्षण किया और सेंटर को तकनीकी रूप से उपयुक्त बताया। निरीक्षण के बाद टीम ने स्पष्ट सिफारिश की कि बीकानेर की यूरोलॉजी और नेफ्रोलॉजी टीम की अनिवार्य ट्रांसप्लाट ट्रेनिंग पूरी कराने के बाद सेंटर शुरू किया जा सकता है। बीकानेर संभाग में किडनी मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हर साल करीब 10 प्रतिशत की वृद्धि। अकेले बीकानेर संभाग में 300 से अधिक मरीज नियमित डायलिसिस पर निर्भर है। बीकानेर, नोखा, सूरतगढ़, हनुमानगढ़ सहित कई जिलों से मरीज पीबीएम पहुंचते हैं। डायलिसिस न केवल शारीरिक रूप से थकाने वाला है, बल्कि मानसिक और आर्थिक बोझ भी है। अधिकांश मरीजों के लिए ट्रांसप्लांट ही स्थायी समाधान है, लेकिन बीकानेर में सुविधा न होने से उन्हें जयपुर, जोधपुर या राज्य से बाहर जाना पड़ता है।

किडनी मरीजों के अनुसार चिरंजीवी योजना के बावजूद दवाइयों, जांचों, ठहरने व यात्रा पर 4 से 5 लाख रूपए तक खर्च निजी अस्पताल में हो जाते हैं। ऐसे में बीकानेर में सरकारी ट्रांसप्लांट सेंटर शुरू होना मरीजों के लिए जीवन रेखा साबित हो सकता है।

डॉ. मुकेश आर्य, एचओडी, यूरोलॉजी विभाग, पीबीएम अस्पताल, का कहना है कि किडनी ट्रांसप्लाट यूनिट का इंफ्रास्ट्रक्चर पूरी तरह तैयार है। नेफ्रोलॉजी टीम की अधिकांश ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है। शेष औपचारिकताएं भी तेजी से पूरी की जा रही हैं। जनवरी-फरवरी तक बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लाट की सुविधा शुरू हो जायेगी।

नहर से महिला की लाश बरामद

बीकानेर, (कासं)। मुख्य नहर में एक महिला की लाश बरामद हुई है। बॉडी युवती की है, जिसके हाथ पर इंग्लिश में 'मॉम-डेड' का टैटू बना है।

पुलिस 2 दिनों से शव की शिनाख्तगी का प्रयास कर रही है, लेकिन अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। मामले में पुलिस ने अब सोशल मीडिया समेत दूसरे प्लेटफॉर्म के जरिए भी युवती की पहचान करने के प्रयास शुरू कर दिए है। मामला जिले के बज्जू थाना क्षेत्र का है। बज्जू थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रुम को सूचना मिली थी कि आरडी 888 (बज्जू) की मुख्य आईजीएनपी नहर में एक महिला की लाश मिली है। सूचना पर बज्जू थाने से एसआई प्रेमसिंह आरडी 888 पहुंचे, जहां आईएनजीपी नहर की पुलिया के दूसरे पिलर के नीचे एक महिला का शव पानी में अटका हुआ था। मृतका की लाश पानी में रहने के कारण फूल चुका था, जिसकी पहचान कर पाना मुश्किल था। बॉडी सड़ चुकी थी। गोताखोर की सहायता से बॉडी को नहर से बाहर निकाला गया। मृतका की उम्र करीब 25-30 वर्ष होना प्रतीत होता है। मृतका के गले में एक काले रंग का धागा

केरोसिन उंडेल महिला को जिंदा जलाने की कोशिश

- आरोपियों ने जबरन घर में घुसकर महिला पर केरोसिन उंड़ेल दिया और आग लगाने की कोशिश की
- शोर सुन आसपास के लोग पहुंचे तो आरोपी भाग गए

बीकानेर, (कासं)। कोटगेट थाना क्षेत्र में एक महिला पर घर में घुसकर जानलेवा हमला करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

रिपोर्ट के अनुसार रात करीब 2 बजे आरोपियों ने पीड़िता के घर में घुसकर गाली-गलौच की, मारपीट की और केरोसिन डालकर जलाने का प्रयास किया। घटना के समय घर में मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर पीड़िता की जान बचाई।

रिपोर्ट में दर्ज विवरण के अनुसार आरोपी समूह में आये थे। उन्होंने पहले घर के बाहर हंगामा किया फिर जबरन घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने पीड़िता पर केरोसिन उड़ेल दिया और आग लगाने की कोशिश की। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, तब जाकर आरोपी फरार हो गए।

पीड़िता की रिपोर्ट पर कोटगेट थाने में आईपीसी की धारा 173(3) बीएनएस सहित अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने प्रकरण संख्या 01/2026 दिनांक 02.01.2026 को दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में महावीर उर्फ कैंसर, अशोक उर्फ कन्हैया, उमेश, मनीष, हरेंद्र उर्फ भाटू, जावेद उर्फ भुट्टा और कुलदीप पुत्र बद्री को आरोपी बनाया गया है।

सभी आरोपी बीकानेर के निवासी बताये जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों की तलाश जारी है। फिलहाल किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। मामले में एफएसएल टीम को मौके पर नहीं बुलाया गया है। जांच अधिकारी का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जायेगी।

मदनपाल सिंह कर्मचारी संघ के निर्विरोध अध्यक्ष बने

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अशैक्षणिक कर्मचारी संघ ने सर्वसम्मति से मदनपाल सिंह बीदावत को अध्यक्ष चुना गया है।

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक सभागार में आयोजित बैठक में कर्मचारियों ने बीदावत को निर्विरोध अध्यक्ष नियुक्त किया। सुरेश व्यास द्वारा अध्यक्ष पद के लिए मदनपाल सिंह के नाम का प्रस्ताव दिया गया, जिस पर अन्य कार्मिकों ने सहमति जताई। इस दौरान शिवकुमार किराडू, महेन्द्र सिंह राठौड़, हुकुम सिंह रतनूं,अजीज भुट्टा, पुखराज जागरवाल, भानुप्रताप सिंह, राजीव खेतावत, डीएल राय, राणीदान सिह, रामनिवास, दिलिप कुमार, महेन्द्र सिंह राजपुरोहित सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 27/01/2026 को 15:00 बजे तक निम्नानुसार खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **निविदा संख्या:** 20R1-2025-GSU-BKN **कार्य का नाम व स्थान:** बीकानेर मंडल के सिरसा स्टेशन पर बीटीआई छोर की ओर लाइन संख्या 5 की स्लीविंग और प्लेटफॉर्म संख्या 1 को 92.40 मीटर तक विस्तारित करके एक अतिरिक्त प्लेटफॉर्म संख्या 3 का प्रावधान, जिसमें सभी आवश्यक यात्री सुविधाएं शामिल हैं तथा हिसार-भटिंडा खंड के सिरसा और रमन स्टेशन पर टीडब्ल्यूएस कार्य का बचा हुआ कार्य के संबंध में ट्रैक कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹12106356.83/- **बिड सिक्यूरिटी राशि:** ₹210500/- **निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय:** बोली शुरु होने की तारीख 13/01/2026 और निविदा बंद होने की तारीख और समय 27/01/2026 को 15:00 बजे तक। **नोट:** अन्य शर्तें रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। E-Office File No.: NWR-BKNOENGG (WRKF)/89/2025 (Computer No. 232554) Dated- 02.01.2026 12-DK/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना संख्या: 263 से 266-25-26

मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए दिनांक 22.01.2026 को 15:00 बजे तक खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **(1) निविदा संख्या:** 263, **कार्य का नाम व स्थान:** वरि. मंडल इंजीनियर/ पश्चिम, बीकानेर के क्षेत्राधिकार में विभिन्न आरयूबी में पानी एकत्रित होने से रोकने के लिए ड्रेनेज सिस्टम में सुधार करना। **अनुमानित लागत मूल्य:** ₹ 99536055.32/- **धरोहर राशि:** ₹ 647700.00/- **(2) निविदा संख्या:** 264, **कार्य का नाम व स्थान:** सहायक मंडल इंजीनियर/ मुख्यालय, बीकानेर के अधीन विभिन्न अधिकारी बंगलो एवं स्टाफ क्वार्टरों में सुधार कार्य तथा बीकानेर स्थित बंगला नं. 106ए, 106बी, 107ए व 107बी की छत को बदलने का कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य:** ₹ 3905644.15/- **धरोहर राशि:** ₹ 78100.00/- **(3) निविदा संख्या:** 265, **कार्य का नाम व स्थान:** सहायक मंडल इंजीनियर/ मुख्यालय, बीकानेर के अधीन सी एंड डब्ल्यू वर्कशॉप, बीकानेर में इन्फ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करना एवं रख-रखाव सुविधाओं में वृद्धि करना। **अनुमानित लागत मूल्य:** ₹ 39587450.83/- **धरोहर राशि:** ₹ 347900.00/- **(4) निविदा संख्या:** 266, **कार्य का नाम व स्थान:** सहायक मंडल इंजीनियर / मुख्यालय, बीकानेर के अधीन स्टोर डिपो में नये वे-ब्रिज (100 एमटी क्षमता का) का निर्माण करना तथा अधातु सामग्री के स्टोरेज के डबल स्टोरी स्पेश स्टाफ रूम, पार्किंग एवं टॉयलेट आदि का निर्माण करना। **अनुमानित लागत मूल्य:** ₹ 10619214.14/- **धरोहर राशि:** ₹ 203100.00/- **नोट:** अन्य शर्तें रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 10-DK/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

पोस्त व 17800 नशे के कैप्सूल सहित गिरफ्तार

- किराए पर लिए मकान में छिपाकर रखता था नशा

श्रीगंगानगर, (कासं)। गंगानगर के पुरानी आबादी के युवक को 32 किलो पोस्त, 17800 नशे के कैप्सूल सहित गिरफ्तार किया। आरोपी को शनिवार को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जायेगा

आरोपी ने पुरानी आबादी के वार्ड नंबर 16 में गांधी बस्ती में मकान को किराए पर लिया हुआ था। इस मकान में ही नशे की खेप लाकर छुपा देता था। फिर यहीं से डिमांड के अनुसार सप्लाई करता रहता था। जांच अधिकारी सेतिया चौकी प्रभारी रामेश्वर लाल ने बताया कि आरोपी को वर्ष 2024 में कोतवाली पुलिस द्वारा ही एनडीपीएस एक्ट में प्रतिबंधित घटक के कैप्सूल सप्लाई के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अन्य आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी भी जुटायेंगे। श्रीगंगानगर पुरानी आबादी एसएचओ सीरकौर ने एक युवक को मादक पदार्थ पोस्त तथा प्रतिबंधित घटक की नशे के काम लिए जा रहे कैप्सूल की भारी मात्रा के साथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में डीएसटी प्रथम के कांस्टेबल अजय प्रताप सिंह की विशेष भूमिका रही। एसएचओ सीरकौर ने बताया कि पुरानी आबादी में श्यामनगर यूआईटी कॉलोनी निवासी 32 वर्षीय दीपक उर्फ दीपू खत्री पुत्र प्रमोद खत्री के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को 32 किलो डोडा चूरा पोस्त तथा प्रतिबंधित घटक के 11 हजार कैप्सूल एक साल्ट तथा 68 सौ कैप्सूल दूसरे साल्ट के बरामद किए गए हैं।

बर्फबारी से शीतलहर और कोहरा

श्रीगंगानगर, (कासं)। गंगानगर में शनिवार को अधिकतम तापमान 15.9 डिग्री और न्यूनतम 12.7 डिग्री रिकार्ड किया गया। इससे जिले में दिन में भी ठिठुरन महसूस हो रही है।

मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक श्रीगंगानगर सहित कई जिलों में शीतलहर चलने और सुबह-शाम घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। कोहरे के कारण विजिबिलिटी भी कम रहेगी जिससे वाहन चालकों को समस्या का सामना करना पड़ेगा। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इन दिनों हिमालय क्षेत्र में लगातार बर्फबारी हो रही है। इससे उत्तर से आने वाली ठंडी हवाएं राजस्थान के मैदानी इलाकों तक पहुंच रही है। श्रीगंगानगर की भौगोलिक स्थिति के कारण यहां ठंड का असर सबसे ज्यादा पड़ रहा है। हवाओं की रफ्तार बढ़ने से ठिठुरन और बढ़ गई है।

यूरिया नहीं मिलने से किसानों ने चक्का जाम कर विरोध जताया

- श्रीविजयनगर में यूरिया संकट से किसान आक्रोशित
- रायसिंहनगर मुख्य मार्ग पर चक्का जाम, प्रशासन ने टोकन प्रणाली से वितरण का आश्वासन देने पर किसानों ने जाम हटाया

श्रीविजयनगर, (कासं)। यूरिया खाद की किल्लत से आक्रोशित किसानों ने शनिवार को श्रीविजयनगर-रायसिंहनगर मुख्य मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। इस प्रदर्शन के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लम्बी कतारें लग गई जिससे आम जनता और यात्रियों को काफी परेशानी हुई।

किसानों का कहना था कि रबी की फसल के लिए समय पर यूरिया खाद नहीं मिलने से वे पहले से ही चिंतित थे। कई दिनों से खाद उपलब्ध न होने के कारण किसानों का गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दी। किसानों ने बताया कि फसल की बढ़वार के महत्वपूर्ण समय में यूरिया न मिलने से पैदावार पर सीधा असर पड़ेगा।

चक्का जाम की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। कुछ देर बाद तहसीलदार राजवीर सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और किसानों से बातचीत की।

किसानों ने प्रशासन के सामने अपनी समस्या रखते हुए तत्काल यूरिया उपलब्ध कराने की मांग की। तहसीलदार राजवीर सिंह ने मौके पर ही कृषि विभाग के अधिकारियों से बात की और जल्द से जल्द यूरिया की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि एक पारदर्शी टोकन प्रणाली लागू की जायेगी। जिसके तहत उपलब्धता के आधार पर किसानों को क्रमवार यूरिया खाद वितरित की जायेगी ताकि कोई अव्यवस्था न हो। तहसीलदार के आश्वासन और प्रशासन की समझाइश के बाद किसानों ने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया और मुख्य मार्ग से जाम हटा लिया। इसके बाद यातायात धीरे-धीरे सामान्य हो सका।

बादनूं में दिव्यांग बच्चों को स्वेटर वितरित

बीकानेर, (कासं)। नव वर्ष के पावन अवसर पर रोटरी क्लब बीकानेर सिटी द्वारा सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए बीकानेर से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित बादनूं गांव में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बादनूं गांव स्थित अपना परिवार सेवा सदन आश्रम में 50 दिव्यांग बच्चों को सर्दी से बचाव के लिए गर्म वस्त्र वितरित किए गए। कार्यक्रम प्रभारी कैलाश राठी ने बताया कि रोटरी क्लब का सतत प्रयास रहता है कि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाई जा सके। क्लब के चार्टर्ड अकाउंटेंट अजय कुमार पुरोहित सहित रोटरी क्लब बीकानेर सिटी के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

अध्यात्म और मीडिया का संगम ही स्वस्थ समाज का आधार : मुनि कमल कुमार

तेरापंथ भवन में आयोजित 'समाज निर्माण में अध्यात्म और मीडिया की भूमिका' विषय पर वैचारिक संगोष्ठी में मीडिया कर्मियों ने शिरकत की।

बीकानेर, (कासं)। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा गंगाशहर के तत्वावधान में गुरूवार को तेरापंथ भवन में एक विशेष वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

उग्र विहारी तपोमूर्ति मुनि कमल कुमार स्वामी के पावन सानिध्य में आयोजित इस संगोष्ठी का मुख्य विषय 'समाज निर्माण में अध्यात्म और मीडिया की भूमिका' रहा। इस अवसर पर मुनि श्री ने अध्यात्म और मीडिया के अंतर संबंधों को रेखांकित करते हुए समाज को नई दिशा प्रदान की। सत्य ही धर्म है और सत्य ही मीडिया का मूल मुनि श्री सभा को संबोधित करते हुए मुनि कमल कुमार ने कहा कि जिस प्रकार शरीर से आत्मा का निकल जाना मृत्यु है। उसी प्रकार अध्यात्म के बिना जीवन और धर्म का कोई अस्तित्व नहीं है। उन्होंने कहा कि मीडिया का कार्य सत्य को सामने लाना है और सत्य का वास्तविक अर्थ ही धर्म है। जहां नैतिकता और प्रामाणिकता का अभाव होता है, वहां अशांति पनपती है। मुनि श्री ने संयम को ही जीवन का आधार बताते हुए गंगाशहर में तपस्वी संत नमि मुनि द्वारा की जा रही साधना की भी सराहना की। विषय प्रवर्तन करते हुए जैन लूणकरण छाजेड़ ने कहा कि समाज की मजबूती आध्यात्मिक मूल्यों और मीडिया की जिम्मेदार भूमिका पर टिकी है। उन्होंने अध्यात्म को समाज का चरित्र और मीडिया को आंख-नाक-कान की संज्ञा दी।

मुख्य वक्ता ने प्रिंट मीडिया की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लिखने की कला में संयम तभी आता है जब भीतर अध्यात्म का वास हो। उन्होंने चरित्र निर्माण की शुरूआत परिवार से करने पर जोर दिया। बीकानेर प्रेस क्लब के अध्यक्ष खुशाल सिंह ने पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज की अनैतिक समस्याओं का समाधान गुरु ज्ञान और आध्यात्मिक अंकुश में ही निहित है। वहीं जार के प्रदेश अध्यक्ष श्याम मारू ने कहा कि जब अध्यात्म और मीडिया की धाराओं का संगम होता है, तो समाज की बुराईयों का अंत सुनिश्चित हो जाता है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और कुरीतियों के विरूद्ध मीडिया की लेखनी को अध्यात्म से ही शक्ति मिलती है।

नगाड़ों की थाप पर निकाला नगर कीर्तन

श्रीगंगानगर, (कासं)। श्री गुरू गोविन्द सिंह के प्रकाशोत्सव पर शहर में भक्ति का ऐसा सैलाब उमड़ा कि हर राह गुरू के प्रति श्रद्धा के रंग में रंगी नजर आई।

रेलवे स्टेशन रोड स्थित गुरूद्वारा श्री गुरु सिंह सभा से शुक्रवार को शुरू हुआ नगर कीर्तन जब नगाड़ों की थाप के बीच शहर के मुख्य बाजारों से गुजरा तो नजारा देखने लायक था। नगर कीर्तन की सबसे खास बात यह रही कि इसमें शहर के 17 अलग-अलग गुरूद्वारों से आये रागी जत्थों ने जब एक सुर में देहि शिवा बर मोहि इहै... और वाहो-वाहो गोबिंद सिंह... के शब्द गायन किए तो संगत मंत्रमुग्ध हो गई। फूलों से सजी पालकी साहिब की भव्यता और उसके आगे चलते पंज प्यारे आकर्षण का केन्द्र रहे। प्रशासन और सेवादारों की मुस्तैदी के कारण 10 किलोमीटर लम्बे मार्ग पर व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रही। यह सफर इस बार 7 घंटे तक चला।

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियोजन / 2026/ **विज्ञप्ति** दिनांक : 01-01-2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि चक 2 ई छोटी मुरब्बा नं. 29 के किला नं. 03 में भूखण्ड संख्या जी-14 भूखण्ड माप 30'-0' गुणा 60'-0'' फीट का न्यास द्वारा आवासीय पटटा संख्या 8017 दिनांक 13.07.2009 एवं भूखण्ड संख्या जी-15 भूखण्ड माप 30'-0' गुणा 60'-0'' फीट का न्यास द्वारा आवासीय पटटा संख्या 8018 दिनांक 13.07.2009 द्वारा श्रीमती वीरपाल कौर पत्नी श्री लाभ सिंह के नाम से जारी है। श्रीमती वीरपाल कौर द्वारा भूखण्ड संख्या जी-14 भूखण्ड माप 30 गुणा 60 फीट में से भूखण्ड माप 30 गुणा 30 फीट (पश्चिमी हिस्सा) व भूखण्ड संख्या जी-15 भूखण्ड मापि 30 गुणा 60 फीट में से भूखण्ड मापि 30 गुणा 30 फीट (पश्चिमी हिस्सा) जरिये रजिस्ट्री दस्तावेज उपहार-पत्र यथाकुल भूखण्ड माप 30'-0' गुणा 60'-0'' फीट का उपविभाजन एवं पुनर्गठन हेतु आवेदनानुसार न्यास कार्यालय आदेश क्रमांक नियोजन/2025/1218-1219 दिनांक 17.09.2025 द्वारा आवेदक/प्रार्थी श्री अमृतपाल सिंह के नाम से उपविभाजन एवं पुनर्गठन आदेश जारी है। उक्त वर्णितानुसार आवासीय भूखण्ड संख्या G-14 & G-15 (Each Part-A) Corner यथाकुल क्षेत्रफल माप 1800 वर्गफीट का नियमानुसार नामान्तरण आदेश क्रमांक SGNR/FY25-26/MUT/1135 दिनांक 31.12.2025 द्वारा श्री अमृतपाल सिंह पुत्र श्री लाभ सिंह के नाम से नामान्तरण आदेश जारी है। आवेदक द्वारा उक्त भूखण्ड का आवासीय से मिश्रित (वाणिज्यिक) भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन किया है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 अनुसार एवं जोनल प्लान अनुसार प्रश्नगत क्षेत्र का भू-उपयोग आवासीय हेतु आरक्षित है। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर की अधिसूचना क्रमांक प. 11(8), नविवि)/2020 दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां की तालिका सं. 10 के अनुसार मास्टर प्लान/जोनल प्लान में 18 मीटर व उससे अधिक चौड़ाई की सड़कों के दोनो ओर सड़क की चौड़ाई का 1.5 गुणा तक मिश्रित भू उपयोग सीधे ही अनुमत है। राजस्थान सरकार नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन नियमे, 2010 अधिसूचना दिनांक 28.10.2010, दिनांक 24.02.2021, दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधिया (Development Promotion & Control Regulations) के अनुसार पट्टे/लीजडीड में उल्लेखित उपयोग से चाहा गया परिवर्तित उपयोग दोनों ही मास्टर प्लान/जोनल डवलपमेंट प्लान के भू-उपयोग में (DPCR) के अनुसार अनुज्ञेय (परमिटेड) उपयोग में आने एवं तकनीकी मापदण्ड पूर्ण होने के कारण विभागीय अधिसूचनाओं के तहत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। उपरोक्त वर्णित भूखण्ड संख्या G-14 & G-15 (Each Part-A) Corner क्षेत्रफल माप 1800 वर्गफीट का आवासीय रूपान्तरित से मिश्रित (वाणिज्यिक) प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो वह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा। RajKaj Ref No.: 19681704 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

मैं बस रोहित और कोहली दोनों को लंबे समय तक भारत के लिए और जब वे इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेल रहे हों, तो घरेलू क्रिकेट में खेलते देखना चाहता हूँ। – इरफान पठान

भारतीय गेंदबाज, रोहित शर्मा और विराट कोहली के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मोहम्मद शमी

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भी मोहम्मद शमी की अनदेखी की गई। उन्हें 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया। टीम ऐलान के बाद शमी की घरेलू टीम बंगाल के हेड कोच का गुस्सा फूटा है। उन्होंने सेलेक्टर्स पर बरसते हुए इस शर्मनाक बताया है। बता दें कि शमी ने मार्च 2025 के बाद से भारत के लिए कोई मैच नहीं खेला है। वह 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। बंगाल क्रिकेट टीम के हेड कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला भारतीय चयन समिति से बिल्कुल खुश नहीं हैं।

क्या आप जानते हैं ?... राहुल द्रविड़ के नाम एक ऐसा रिकॉर्ड दर्ज है जिसका टूटना भविष्य में आसान नहीं है। द्रविड़ ने 286 टेस्ट पारी खेली है लेकिन वह कभी भी पहली गेंद पर आउट नहीं हुए हैं।

गिल कप्तान के तौर पर बरकरार, अय्यर, पंत और सिराज की वनडे टीम में वापसी

मुंबई, 3 जनवरी।। स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए कप्तान के तौर पर बरकरार रखा गया है जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और विकेटकीपर रिषभ पंत की शनिवार को घोषित भारतीय टीम में वापसी हुई हैं।

न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए चयनित भारतीय दल में श्रेयस अय्यर को भी शामिल किया गया है। हालांकि बीसीसीआई द्वारा जारी मीडिया रिलीज में यह बताया गया है कि अय्यर की उपलब्धता बीसीसीआई के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (सीओई) द्वारा अनुमति मिलने पर निर्भर करेगी।

अय्यर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोटिल हो गए थे जिसके बाद से उन्होंने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है और वह दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ घरेलू वनडे सीरीज में भी भारतीय दल का हिस्सा भी नहीं थे। अय्यर को सीओई से सशर्त विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी के अगले राउंड में खेलने की अनुमति मिली है और वह 6 जनवरी को मुंबई के लिए खेलते नजर भी आ सकते हैं।

शुभमन गिल खुद पिछले महीने कोलकाता टेस्ट के दौरान गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर रहने के बाद टीम की कप्तानी करने के लिए वापसी करेंगे। दोनों सीनियर बल्लेबाजों की वापसी का मतलब है कि ऋतुराज गायकवाड़ और तिलक वर्मा को जगह छोड़नी पड़ी है, इसके बावजूद कि दोनों ने विजय हजारे ट्रॉफी में एक-एक शतक बनाया था। ऋषभ पंत ने केएल राहुल के बाद दूसरे विकेटकीपर के तौर पर टीम में अपनी जगह बनाए रखी है, जबकि ध्रुव जुरेल को अब बाहर कर दिया गया है।

वहीं हार्दिक पंड्या को भी आगामी टी20 विश्व कप और उनके कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए वनडे दल में शामिल नहीं किया गया है। बीसीसीआई की मीडिया रिलीज में बताया गया है कि चूंकि हार्दिक को सीओई से एक मैच में 10 ओवर डालने की अनुमति नहीं मिली है इसलिए आगामी टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उनका कार्यभार प्रबंधित किया जा रहा है।

तेज गेंदबाजी आक्रमण में मोहम्मद सिराज की वापसी हुई है, उनके साथ अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा शामिल हैं। स्पिन विभाग का नेतृत्व कुलदीप यादव करेंगे, साथ में ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा होंगे, जडेजा ने ऑस्ट्रेलिया में अक्षर पटेल से हारने के बाद भी अपनी जगह बनाए रखी है। रोहित शर्मा और विराट कोहली, जिन्होंने हाल ही में 50 ओवर की विजय हजारे ट्रॉफी में अपनी घरेलू टीमों के लिए खेला था, वे एकमात्र इंटरनेशनल फॉर्मेट में खेलना जारी रखेंगे जिसमें वे अभी भी एक्टिव हैं, और यशस्वी जायसवाल टॉप-ऑर्डर के लिए बैकअप के तौर पर रहेंगे। नीतीश कुमार रेड्डी को भी 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज़ का पहला मैच 11 जनवरी को वड़ोदरा में खेला जाएगा। इसके बाद 14 जनवरी को राजकोट जबकि 18 जनवरी को इंदौर में मुक़ाबला खेला जाएगा। वनडे सीरीज के बाद भारत न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेगा जिसकी शुरुआत 21 जनवरी को नागपुर में होगी। टी20 सीरीज के लिए भारतीय दल का ऐलान पहले ही चुका है और यही दल आगामी टी20 विश्व कप में भी खेलेगा।

न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय दल: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल(विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उप कप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हार्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, रिषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल।

मुस्तफिजुर को रिलीज करने से बांग्लादेश के खिलाड़ियों के भविष्य पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 3 जनवरी। कोलकाता नाइट राइडर्स ने पुष्टि की है कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश का पालन किया है और बंगलादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज कर दिया है, जिन्हें उन्होंने हाल ही में अबू धाबी में हुई मिनी-ऑक्शन में 9.2 करोड़ रुपये में खरीदा था।

फ्रेंचाइजी ने एक बयान में कहा, ''कोलकाता नाइट राइडर्स पुष्टि करता है कि बीसीसीआई/ आईपीएल ने आईपीएल के रेगुलेटर के तौर पर उसे आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन से पहले मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज करने का निर्देश दिया है।'' यह रिलीज, स्पष्ट रूप से, एक उचित प्रक्रिया के बाद की गई, खासकर रेगुलेटर - बीसीसीआई और आईपीएल की सलाह के बाद।

हालांकि यह समझा जाता है कि पड़ोसी राज्य में अल्पसंख्यक विरोधी हत्याएं और देश में बंगलादेश विरोधी माहौल इसका कारण हैं, लेकिन फ्रेंचाइजी खुद मनमाने ढंग से काम नहीं कर सकती थी, क्योंकि इसमें कानूनी मुद्दे शामिल होते। अगर फ्रेंचाइजी ने उसे खुद ही रिलीज किया होता तो खिलाड़ी को कानूनी रास्ता अपनाने का अधिकार होता।

फ्रेंचाइजी ने बयान में कहा, ''यह रिलीज भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के निर्देश पर, उचित प्रक्रिया और सलाह-मशविरे के बाद की गई है। बीसीसीआई आईपीएल नियमों के अनुसार कोलकाता नाइट राइडर्स को एक रिप्लेसमेंट खिलाड़ी की अनुमति देगा, और आगे की जानकारी उचित समय पर दी जाएगी।'' पहला कदम उग्रने के लिए फ्रेंचाइजी को निर्देश देने की ज़िम्मेदारी हमेशा बीसीसीआई की थी। मुस्तफिजुर को खरीदने में, फ्रेंचाइजी ने वास्तव में बीसीसीआई के निर्देशों का पालन किया था, जिसने उन्हें नीलामी के लिए रजिस्टर किया था। नीलामी में कुल सात बंगलादेशी खिलाड़ी थे, और यह दूसरी बात है कि किसी अन्य खिलाड़ी को नहीं चुना गया।

दरअसल, मुस्तफिजुर के लिए ज़बरदस्त बोली लगी थी, जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स के साथ दो अन्य फ्रेंचाइजी भी मुकाबला कर रही थीं। दिल्ली कैपिटल्स ने 2.2 करोड़ रुपये से बोली शुरू की और 5.2 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जिसके बाद नाइट राइडर्स मैदान में कूदे। सुपर किंग्स ने बोली 9 करोड़ रुपये तक बढ़ा दी थी, लेकिन आखिर में नाइट राइडर्स ने उन्हें 9.2 करोड़ रुपये में खरीद लिया।

मुस्तफिजुर पहले चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल चुके हैं। एक सीनियर आईपीएल अधिकारी ने कहा कि फ्रेंचाइजी खुद से ऐसा नहीं कर सकती थी, और कहा, ''यह बीसीसीआई का फैसला था और फ्रेंचाइजी मनमाना फैसला नहीं ले सकती थी। फ्रेंचाइजी और खिलाड़ी कुछ कॉन्ट्रैक्ट से बंधे होते हैं जिनसे वे बाहर नहीं जा सकते। आईपीएल के नियम किसी भी तरह की मनमानी को रोकते हैं।''

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के ऐलान के बाद स्थिति साफ हो गई। उन्होंने कहा, ''...बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी केकेआर को निर्देश दिया है कि वे अपने एक खिलाड़ी, बंगलादेश के मुस्तफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज करें और बीसीसीआई ने यह भी कहा है कि अगर वे किसी रिप्लेसमेंट की मांग करते हैं, तो बीसीसीआई उस रिप्लेसमेंट की इजाज़त देगा,'' उन्होंने हाल के घटनाक्रमों का हवाला दिया, जिसके बारे में उन्होंने विस्तार से नहीं बताया। हालांकि, हाल के घटनाक्रमों ने बंगलादेश के खिलाड़ियों को काफी हद तक दूर कर दिया है, ग्रीक वैसे ही जैसे 2008 से पाकिस्तान के खिलाड़ियों के साथ हुआ है।

अजय ने जीता 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष स्वर्ण

नई दिल्ली, 3 जनवरी। 68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में शनिवार को रोमांचक मुकाबलों से भरा दिन देखने को मिला, जहां आर्मी के अजय कुमार और कर्नाटक के जोनाथन गेविन एंथनी ने सुर्खियां बटोरीं।

अजय कुमार ने 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष फाइनल में कड़े मुकाबले के बाद स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि जोनाथन ने पुरुष एयर पिस्टल स्पर्धाओं में सब-यूथ, यूथ और जूनियर-तीनों वर्गों में खिताब जीतकर दुर्लभ हैट्रिक पूरी की।

इसी बीच, शॉटगन रेंज पर तमिलनाडु ने सीनियर और जूनियर ट्रैप मिक्स्ड टीम-दोनों खिताब जीतते हुए अपना दबदबा कायम रखा। 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष फाइनल में अजय ने 241.1 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया और रेलवे के शुभम बिसला को पीछे छोड़ा, जिन्हें 240.1 के स्कोर के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

हरियाणा के अनमोल जैन ने 220.0 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। हरियाणा के शिवा नरवाल 197.2 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहकर पदक से चूक गए। नौसेना के निशानेबाज आकाश भारद्वाज और उज्ज्वल मलिक ने क्रमश: 177.8 और 157.3 के स्कोर के साथ पांचवां और छग्र स्थान हासिल किया।

राजस्थान के राहुल सेरावत 136.6 के साथ सातवें स्थान पर रहे, जबकि पंजाब के अर्जुन सिंह चीमा 115.8 के साथ आठवें स्थान पर रहे।

ख्वाजा के विदाई टेस्ट के बीच इंग्लैंड लड़ेगा आखिरी लड़ाई

सिडनी, 3 जनवरी। एशेज दौरे का इंग्लैंड का आखिरी प्रैक्टिस सेशन शनिवार को दोपहर करीब 3.15 बजे खत्म हुआ। जैकब बेथेल आखिरी बल्लेबाज थे जिन्होंने असिस्टेंट कोच जीतन पटेल से थ्रोडाउन का सामना किया और फिर ऐतिहासिक एससीजी पवेलियन की ओर चले गए। उनके पीछे इंग्लैंड टीम का लीडरशिप ग्रुप था।

कप्तान बेन स्टोक्स, कोच ब्रेंडन मैकुलम और क्रिकेट डायरेक्टर रॉबर्ट की, वे तीन लोग जो साढ़े तीन साल पहले इंग्लिश क्रिकेट को फिर से ज़िंदा करने और फिर एशेज कैंपेन को यादगार बनाने के लिए एक साथ आए थे, पांचवें और आखिरी टेस्ट की पूर्व संध्या पर मैदान से बाहर निकलते समय आपस में बातचीत कर रहे थे। उनमें एक आरामदायक माहौल था, जैसा कि इस ग्रुप में ज़्यादातर समय होता है, और कुछ मुस्कान भी थीं। यह स्वाभाविक था। ऑस्ट्रेलिया में कुल मिलाकर निराशाजनक दो महीनों के बाद, जो भी सकारात्मक बातें वे घर ले जा सकते हैं, उन्हें हासिल करने के लिए पांच और दिन हैं।

पीछे मुड़कर देखने का कोई मतलब नहीं था। एक ऐसा कैंपेन जिसमें वे कभी भी एशेज पर कब्ज़ा करते हुए नहीं दिखे। एशेज हाथ से निकल गई है। सपना टूट गया है। भले ही स्टोक्स सिडनी टेस्ट पर ध्यान केंद्रित करते हुए वर्तमान में रहने की बात करते रहे, लेकिन यह संभावना नहीं है कि इंग्लिश क्रिकेट के बड़े अधिकारी इस बहुचर्चित दौरे पर जो कुछ हुआ है, उस पर पहले से ही गहन जांच के बारे में नहीं सोच रहे होंगे। इंग्लैंड के कप्तान सही कह रहे हैं कि सिडनी में अगले कुछ दिन कितने महत्वपूर्ण हैं, इस बात के लिए कि इस इंग्लिश टीम के इस दुर्भाग्यपूर्ण दौरे को आने वाले सालों में कैसे देखा जाएगा।

गिल नहीं खेले, अर्शदीप का पंजा, पंजाब ने सिक्किम को 10 विकेट से रौंदा

जयपुर, 3 जनवरी। अर्शदीप सिंह (पांच विकेट) के बाद कप्तान प्रभसिमरन सिंह (नाबाद 53) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत पंजाब ने शनिवार को विजय हजारे ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले में सिक्किम को 262 गेंदे शेष रहते 10 विकेट से रौंद कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। 76 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब ने 6.2 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाये 81 रन बनाकर मुकाबला 10 विकेट से जीत लिया। कप्तान प्रभसिमरन सिंह ने 26 गेंदों में चार चौके और पांच छक्के उड़ाते हुए 53 रनों की नाबाद पारी खेली। हरनूर सिंह ने 13 गेंदों में नाबाद 22 रन बनाये। इससे पहले आज यहां शुभमन गिल की गैरमौजूगी में खेल रही पंजाब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी सिक्किम की टीम पंजाब के गेंदबाजी आक्रमण का सामना नहीं कर सकी और पूरी टीम 22.2 ओवर में मात्र 75 रन के स्कोर पर सिमट गई। पलजोर तमांग ने सिक्किम के लिए सर्वाधिक 13 रन बनाये। उनके अलावा गुरिंदर सिंह (10) और एम डी सपतुल्ला (10) रन बनाकर आउट हुये।

राजधानी

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में अब पूरे देश में इलाज की सुविधा मिल सकेगी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की इस संवेदनशील पहल से गंभीर रोगियों को उपचार के लिए बेहतर विकल्प मिलेंगे

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में लागू की गई मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना अब पूरे देश के लिए मिसाल बन गई है। योजना में शामिल करोड़ों परिवार अब देश के दूसरे राज्यों में भी नि:शुल्क उपचार ले सकेंगे। मुख्यमंत्री की ऐतिहासिक पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के प्रयासों से अब इस योजना में देश के 30 हजार से अधिक अस्पतालों का बड़ा नेटवर्क शामिल हो गया है। इससे प्रदेश के नागरिकों को देश के नामी अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सकेगा। नि:शुल्क उपचार की दिशा में राज्य सरकार का यह बड़ा कदम है, जो यूनिवर्सल हैल्थ कवरेज के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (मा) प्रदेश के करोड़ों परिवारों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है। केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (मा) को एकीकृत कर वृहद रूप में संचालित की गई यह योजना आज न केवल प्रदेश के भीतर, बल्कि प्रदेश की सीमाओं के बाहर भी नि:शुल्क और कैशलेस इलाज की गारंटी बन चुकी है। राज्य सरकार ने इस योजना में करीब 6 माह पहले इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी लागू की थी, जिसके पहले चरण में इन बाउण्ड पोर्टेबिलिटी लागू की गई थी, जिसके तहत दूसरे राज्यों के नागरिकों को राजस्थान में इलाज की सुविधा उपलब्ध करवाई गई थी। अब 19 दिसम्बर से इस योजना में आउट बाउण्ड पोर्टेबिलिटी की सुविधा प्रारंभ कर दी गई है। इससे प्रदेश के नागरिकों को देश के अन्य राज्यों में नि:शुल्क उपचार की सुविधा मिल सकेगी। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि अब तक गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए कई मरीजों को मजबूरी में गुजरात, दिल्ली जैसे अन्य राज्यों में जाकर इलाज कराना पड़ता था, जहां उन्हें अपनी जेब से भारी खर्च वहन करना पड़ता था। इस पीड़ा को समझते हुए राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक और जनहितकारी निर्णय लेते हुए आउटबाउंड पोर्टिबिलिटी को लागू कर दिया है। इस नई व्यवस्था के तहत अब राजस्थान के पात्र परिवार प्रदेश के बाहर भी एम्पैनल्ड अस्पतालों में कैशलेस इलाज प्राप्त कर सकेंगे। आउटबाउंड पोर्टिबिलिटी का लाभ न केवल के पात्र परिवारों को मिलेगा, बल्कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के सभी पात्र परिवारों को भी देश के अन्य राज्यों में 25 लाख रुपये तक का नि:शुल्क उपचार उपलब्ध होगा। राठौड़ ने बताया कि आउट बाउण्ड पोर्टेबिलिटी के अंतर्गत देश के विभिन्न राज्यों (तमिलनाडु और कर्नाटक को छोड़कर) में स्थित लगभग 16 हजार सरकारी और 14 हजार निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा मिलेगी। इसमें पडौसी राज्यों के प्रमुख अस्पताल भी शामिल हैं। दिल्ली के 184, गुजरात के 2067, हरियाणा के 1366, मध्य प्रदेश के 1622, महाराष्ट्र के 1709, पंजाब के 823 और उत्तर प्रदेश के 6182 अस्पताल इस योजना में सूचीबद्ध हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- **इस योजना में तमिलनाडु और कर्नाटक को छोड़कर अन्य राज्यों के 30 हजार से अधिक अस्पतालों का विशाल नेटवर्क शामिल हुआ**

इसमें दिल्ली एवं भोपाल के एम्स, मेदांता, चंडीगढ़ का पीजीआई, लखनउ का केएमपीयू, गुजरात के यूएन मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एण्ड रिसर्च सेंटर, द गुजरात कैंसर एण्ड रिसर्च सेंटर, बनास मेडिकल कॉलेज एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट, पालनपुर, सहित कई नामी अस्पताल शामिल हैं। राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरजीलाल अटल ने बताया कि आउट बाउण्ड पोर्टिबिलिटी के तहत अब तक लगभग 350 रोगियों ने उपचार प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के 1.36 करोड़ पात्र परिवारों को 25 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना में करीब 2200 प्रकार के उपचार पैकेज शामिल हैं, जिनमें सामान्य रोगों से लेकर कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग, अंग प्रत्यारोपण जैसी गंभीर और खर्चीली बीमारियों का इलाज संभव है।

आगामी बजट गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी कल्याण को समर्पित होगा : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कोटा संभाग और जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के विधायकों एवं विधानसभा चुनाव प्रत्याशियों के साथ मुख्यमंत्री निवास पर आगामी बजट को लेकर बातचीत की। मुख्यमंत्री ने आगामी बजट को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से प्रेरित बताते हुए कहा कि गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी आने वाले बजट की घोषणाओं के केंद्र में रहेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चर्चा के दौरान कहा कि आगामी बजट से प्रदेश की विकास यात्रा को नई रफ्तार मिलेगी। सभी जनप्रतिनिधियों की स्थानीय विकास की आवश्यकताओं को बजट में प्रमुखता से शामिल किया जाएगा। प्रदेश की आम जनता को भी बजट से जोड़ा गया है उनके द्वारा दिए जा रहे सुझावों को भी इसमें शामिल किया जाएगा।

- **मुख्यमंत्री ने कोटा संभाग और जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के विधायकों व प्रत्याशियों से आगामी बजट पर चर्चा की**

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी बजट का निर्माण सभी क्षेत्रों के हितों को ध्यान में रखकर ही होगा। आगामी बजट से सभी वर्गों के विकास का मार्ग मजबूत बनेगा।

उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान 2047 के विजन को साकार करने के लिए हम सभी को मिलकर बजट घोषणाओं को समय से धरातल पर उतारने के लिए सक्रियता से कार्य करना होगा।

जयपुर में प्रतिदिन दो बार सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करेंगे सभी उपायुक्त : जैन

स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 की तैयारियों में जुटा स्वायत्त शासन विभाग

जयपुर (कासं)। स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 की तैयारियों को लेकर स्वायत्त शासन विभाग द्वारा जयपुर नगर निगम की सघन समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को निदेशालय सभागार में जयपुर नगर निगम की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता शासन सचिव रवि जैन ने की। बैठक में निदेशक (स्वच्छ भारत मिशन) प्रतीक जूईकर, निगम आयुक्त गौरव सैनी, उपायुक्त स्वास्थ्य ओमप्रकाश थानवी, मुख्य अभियंता अरुण व्यास, निगम के सभी जोनों के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक एवं सहायक अभियंता उपस्थित रहे।

शासन सचिव ने स्वच्छ सर्वेक्षण के मानकों पर समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जोनवार सघन मॉनिटरिंग पर जोर देते हुए सभी उपायुक्तों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के सभी वार्डों का निरीक्षण प्रतिदिन प्रातः 7:30 बजे एवं दोपहर 2:30 बजे अनिवार्य रूप से करें। जैन ने बैठक के दौरान स्वच्छता की विज़िबल क्लीनलिनेस को और सुदृढ़ करने, प्रगति की नियमित मासिक समीक्षा करने तथा स्वच्छता गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

स्वायत्त शासन सचिव रवि जैन ने शनिवार को जयपुर नगर निगम के अधिकारियों की बैठक लेकर स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि आम नागरिकों, व्यापारिक संगठनों एवं सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी से स्वच्छता अभियान को जन-आंदोलन का रूप दिया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मॉनिटरिंग रिपोर्ट के आधार पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले सर्वश्रेष्ठ मुख्य निरीक्षक एवं उप निरीक्षक को सम्मानित किया जाएगा। जैन ने कहा की जयपुर नगर निगम को स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 में शीर्ष स्थान पर लाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाए।

राजधानी में आर्मी-डे परेड की तैयारियां परवान पर

जयपुर। आगामी 15 जनवरी 2026 को जयपुर में होने वाली आर्मी डे परेड को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। सेना की ओर से महल रोड जगतपुरा क्षेत्र में लगातार रिहर्सल की जा रही है। रिहर्सल के दौरान सेना की आधुनिक युद्ध क्षमताओं का व्यापक प्रदर्शन किया जा रहा है। जिसमें मार्च-पास्ट, टैंक, मिसाइल सिस्टम, ड्रोन तकनीक और अत्याधुनिक सैन्य उपकरण शामिल हैं। साथ ही हेलिकॉप्टरों की फ्लाई-पास्ट का भी अभ्यास किया गया। इस रिहर्सल के दौरान सैन्य सुरक्षा बलों की टुकड़ियां फ्लैग मार्च करती नजर आईं। इस दौरान नेपाल आर्मी बैंड की सहभागिता ने आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर महल रोड और आसपास के इलाकों में यातायात नियंत्रण व्यवस्था पहले ही लागू कर दी गई है।

यह पहली बार होगा जब जयपुर में आर्मी डे परेड सैन्य छावनी क्षेत्र से बाहर आयोजित की जा रही है। 15 जनवरी को मुख्य परेड महल रोड, जगतपुरा पर होगी। इससे पहले 9, 11 और 13 जनवरी को रिहर्सल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिन्हें आम नागरिक भी देख सकेंगे। अनुमान है कि प्रत्येक रिहर्सल और मुख्य आयोजन में करीब डेढ़ लाख दर्शक शामिल होंगे। आयोजन को सफल बनाने के लिए 1 जनवरी से महल रोड पर नियमित अभ्यास शुरू कर दिया गया है। प्रारंभिक चरण में एनसीसी कैडेट्स ने परेड अभ्यास में भाग लिया। सेना के अधिकारी लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। आर्मी डे के अवसर पर 15 जनवरी की शाम एसएमएस स्टेडियम में 'शौर्य संध्या 2026' का आयोजन किया जाएगा। इसका पूर्वाभ्यास 10 जनवरी को होगा। इस कार्यक्रम में फर्स्ट डे कवर का विमोचन, शहीदों के परिजनों का सम्मान, पारंपरिक युद्ध कलाओं का प्रदर्शन और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित लाइट एंड साउंड शो प्रस्तुत किया जाएगा।

भाजपा कार्यकर्ता बिना स्वार्थ के राष्ट्र सेवा के लिए काम करता है- भजनलाल

पार्टी किसी एक व्यक्ति या परिवार की नहीं, पुराने अनुभव के साथ नया जोश जरूरी है- बी.एल. संतोष

जयपुर में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित हुई भाजपा की प्रदेश स्तरीय संगठनात्मक कार्यशाला का राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

■ **भाजपा की प्रदेश स्तरीय संगठनात्मक कार्यशाला में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि संगठनात्मक कार्यशाला का उद्देश्य राजनीति करना नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं को मूल्यों, आदर्शों व जन सेवा से जोड़ना है।**

जयपुर, 3 जनवरी । भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश स्तरीय संगठनात्मक कार्यशाला कॉन्स्टिट्यूशन क्लब, जयपुर में आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उद्घाटन सत्र को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ तथा भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने संबोधित किया। इस दौरान भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, भाजपा की राष्ट्रीय सचिव डॉ. अलका गुर्जर, राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पुनिया तथा अशोक परनामी सहित, पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए बीएल संतोष ने कहा कि पार्टी किसी एक व्यक्ति और परिवार की नहीं है। नए लोगों को भी सम्मान मिलना चाहिए। नए लोगों के आने से पार्टी में नयापन आता है। उन्होंने कहा कि पुराने लोगों को नए लोगों को स्वीकार करना चाहिए। पुराने अनुभव के साथ नया जोश भी जरूरी है। आपस में मिलकर समन्वय बैठाते हुए किस तरह से काम किया जाए, यह जरूरी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी ताकत हमारे कार्यकर्ता हैं, जो बिना किसी स्वार्थ के राष्ट्र सेवा के लिए काम करते हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं की यह कार्यशाला भाजपा के संगठन को प्रदेश, जिला, मंडल और बूथ तक सक्रियता से मजबूत करने के साथ ही, केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम करेगी। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में रिकार्ड बनाते हुए 31 दिसम्बर तक 35 हजार मेगावाट का आंकड़ा पार कर शीर्ष स्थान हासिल किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि संगठनात्मक कार्यशाला का उद्देश्य राजनीति करना नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं को मूल्यों, आदर्शों और जनसेवा के भाव से जोड़ना है। भाजपा की राजनीति सेवा भाव पर आधारित है। हम सब राजनीति में सेवक के रूप में आए हैं और जनसेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करना हमारा लक्ष्य है।

मजनू का टीला के कैफे खतरे में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जनवरी। आईएसबीटी के पास स्थित दिल्ली का मजनूं का टीला, अपने सस्ते तिब्बती और एशियाई खाने वाले कैफे के लिए कॉलेज छात्रों में बहुत लोकप्रिय है, परंतु अब यहाँ के कई फूड कोर्ट व कैफे बंद हो सकते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस सप्ताह की शुरुआत में अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उन प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई करें, जो मंज़ूरशुदा बिल्डिंग प्लान और पर्याप्त सुरक्षा इंतज़ामों के बिना चल रहे हैं।

■ **दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा, स्वीकृत बिल्डिंग प्लान व पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना जो कैफे चल रहे हैं, उन्हें बंद कर दिया जाए।**

बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने अधिकारियों से कहा कि वे इलाके के कई कैफे, बार और रेस्टोरेंट के खिलाफ उचित कार्रवाई करें, जो सही फायर सेफ्टी व्यवस्था के बिना अवैध रूप से काम कर रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने उस याचिका का निपटारा किया, जिसमें कहा गया था कि यमुना नदी के किनारे स्थित मजनूं का टीला में कई अनाधिकृत रेस्टोरेंट बहुमंज़िला इमारतों में बिना ज़रूरी कानूनी मंज़ूरी के चल रहे हैं। अदालत ने यह भी नोट किया कि इस मामले में डीडीए पहले ही स्वत: संज्ञान लेकर शिकायत दर्ज कर चुका है।

पूर्वोत्तर छात्रों की सुरक्षा के लिए गठित बेजबरुआ कमेटी की सिफारिशें फिर चर्चा में

देहरादून में एमबीए छात्र एंजल चकमा के नस्लीय उत्पीड़न के बाद हत्या करने से इस समिति की सिफारिशों को लागू करने की मांग की जा रही है

नयी दिल्ली, 03 जनवरी। देहरादून में त्रिपुरा के एमबीए छात्र एंजल चकमा की हाल ही में कथित नस्लीय हमले में हुई हत्या के बाद, एक समिति की 10 साल पुरानी रिपोर्ट और उसकी सिफारिशें फिर से चर्चा में है, जिन्हें अब तक लागू नहीं किया गया है।

■ **इस समिति का गठन 2014 से किया गया था जब दिल्ली में पूर्वोत्तर भारत के एक छात्र की हत्या कर दी गई थी।**

2014 में, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कुख्यात नीडो तानियम हत्याकांड के बाद गृह मंत्रालय ने पूर्व आईएएस अधिकारी एमपी बेजबरूआ की अध्यक्षता में बेजबरूआ समिति गठित की थी। इसका उद्देश्य था कि भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों को महानगरों और अन्य शहरों में जिन चिंताओं, भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ता है, उसकी जांच की जाए और नस्लीय भेदभाव को समाप्त करने के उपाय सुझाये जाएं।

बेजबरूआ समिति ने हालांकि नीति स्तर पर उठाये जाने वाले निवारक और दंडात्मक कदमों के साथ विस्तृत रिपोर्ट सौंपी थी और गृह मंत्रालय ने समिति की सिफारिशों को लागू करने के लिए निगरानी समिति बनायी है, लेकिन अब तक कार्रवाई अपर्याप्त रही है।

बेजबरूआ ने कहा, "हमने विभिन्न शहरों में बड़े पैमाने पर लोगों से बात करने के बाद कई सिफारिशें दी थीं। ये सिफारिशें निवारक और दंडात्मक दोनों तरह की हैं।"

पूर्वोत्तर क्षेत्र को अन्य क्षेत्रों से अलग तरह का मानते हुए बेजबरूआ ने कहा कि जो छात्र और लोग शिक्षा, काम आदि के लिए अन्य महानगरों में जाते हैं, उन्हें नस्लीय प्रकृति के अप्रिय अनुभवों का सामना करना पड़ता है। इसलिए पुलों का निर्माण रिपोर्ट का मुख्य विषय था।

जब सिफारिशों के क्रियान्वयन के बारे में पूछा गया तो बेजबरूआ ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कुछ कदम उठाये गये हैं, जैसे एक समर्पित हेल्पलाइन नंबर (1093), पूर्वोत्तर के छात्रों के लिए अलग छात्रावास, लेकिन देश के अन्य हिस्सों में ज्यादा कुछ नहीं किया गया है।

रिपोर्ट की मुख्य सिफारिशों में से एक थी, नस्लीय प्रकृति की घटनाओं से निपटने के लिए कुछ क्षेत्रों के लोगों के लिए आईपीसी और सीआरपीसी में विशेष प्रावधान शामिल करना। लेकिन, उस महत्वपूर्ण सिफारिश को 2024 के इन कानूनों में तीन नये नियमों- बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए में संशोधन के समय भी अनदेखा कर दिया गया है।

आईपीसी 153 (ए) और (बी) में नस्लीय भेदभाव और दुर्व्यवहार के गंभीर मामलों से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं थे, निगरानी समिति ने कानून को और सख्त बनाने के लिए संशोधन के समय एक नया प्रावधान 153 (सी) जोड़ने का गृह मंत्रालय को प्रस्ताव दिया।

हालांकि, कानून बनाने वालों ने उस सिफारिश को नजरअंदाज कर दिया, यह बात निगरानी समिति के एक सदस्य ने कही।

बेजबरुआ समिति और उसकी सिफारिशों को लागू करने के लिए गठित निगरानी समिति की सदस्य अलाना गोलमेई ने कहा, हमने पूर्वोत्तर के लोगों के लिए किसी अलग कानून की मांग नहीं की थी।उन्होंने कहा कि अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों को जब वे अन्य जगहों पर पढ़ाई या काम के लिए जाते हैं, तो समान भेदभाव का सामना करना पड़ता है।"

महात्मा बुद्ध के अवशेषों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया प्र.मंत्री मोदी ने

■ **मोदी ने कहा उन्हें खुशी है कि उनके नए साल के पहले कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा बुद्ध के कार्यक्रम से हो रही है।**

नयी दिल्ली, 03 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि महात्मा बुद्ध से जुड़े जो भी स्थल हैं, उनका संरक्षण और विकास करना सरकार की प्राथमिकता है। वे महात्मा बुद्ध से संबंधित अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी के यहां आयोजित उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मोदी ने कहा कि सवा सौ साल के इंतजार के बाद महात्मा बुद्ध से जुड़ी भारतीय धरोहर और विरासत वापस लौटी है और अब भारतीय जनमानस इन पवित्र अवशेषों का दर्शन करके उनका आशीर्वाद पा सकेगा। उन्होंने कहा कि 2026 की शुरुआत में ही यह उनके लिए बहुत प्रेरणादायक अवसर है कि उनके पहले सार्वजनिक कार्यक्रम की शुरूआत भगवान बुद्ध के चरणों से हो रही है।

प्रधानमंत्री जिस प्रदर्शनी का उद्घाटन कर रहे थे, उन पवित्र अवशेषों में कुछ हड्डियां भी हैं और माना जाता है कि ये भगवान बुद्ध की हड्डियों के अवशेष हैं। ये अवशेष ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के एवं प्राचीनतम माने जाते हैं। इस भव्य प्रदर्शनी में 127 साल बाद पवित्र पिपरहवा की वापस लाई गई वस्तुएं रखी गई हैं। प्रदर्शनी का नाम "प्रकाश और कमल : जागृत व्यक्ति के अवशेष" रखा गया है।

मोदी ने समारोह में कहा कि करोड़ों लोगों ने इन पवित्र अवशेषों का दर्शन किए हैं और ये अवशेष पूरी दुनिया को नयी राह दिखाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत केवल इन अवशेषों का संरक्षक नहीं है बल्कि उनके संदेशों का जीवंत प्रवाह भी है। उन्होंने कहा कि भारत का प्रयास रहता है कि दुनिया में जो स्थल भगवान बुद्ध से जुड़े हैं उनके विकास में भारत सहयोग करे।

बांग्लादेश के क्रिकेटर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बनाकर अभियान चला रही है। वह सड़क किनारे छोटी-छोटी सभाएँ कर रही है और तृणमूल कांग्रेस सरकार की नाकामी और वोट पाने के लिए मुसलमानों को खुश करने की उसकी नीति को उजागर कर रही है। इसी दौरान, बंगाल के इस हिस्से में भी मुस्लिम समुदाय की माँगें बढ़ती जा रही हैं और यहाँ भी अत्याचार की घटनाएँ सामने आ रही हैं। इस क्षेत्र में लगातार साम्प्रदायिक झड़पें हो रही हैं और कुछ मामलों में हिंदुओं पर हमले हुए हैं। राज्य के मुर्शिदाबाद ज़िले में दिनदहाड़े एक पिता-पुत्र की हत्या कर दी गई, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के संरक्षण में आरोपियों को न तो गिरफ़्तार किया गया और न ही उनके खिलाफ कार्रवाई हुई। कई अन्य मामलों में राज्य पुलिस ने मुसलमान आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करने से भी इनकार किया है। ममता बनर्जी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे इन लगातार अत्याचारों के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा है। ममता ने हिंदुओं की इन भयानक हत्याओं का मुद्दा भी नहीं उठाया है। राज्य भाजपा इन सभी मुद्दों को उठाने की कोशिश कर रही है और ममता सरकार पर इन जघन्य घटनाओं पर चुप रहने का आरोप लगा रही है। माना जा रहा है कि लोग इन घटनाओं पर चुपचाप ध्यान दे रहे हैं और आने वाले चुनावों में इसका असर दिखाई दे सकता है।

जब गडकरी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुके हैं। इसके बाद नितिन गडकरी ने अपनी शादी की तारीख भी सही-सही याद कर ली। बातचीत में दिलीप ने गडकरी से अपने गाँव में "एक छोटी सी सड़क" बनवाने की गुज़ारिश की। फराह ने मज़ाक करते हुए कहा कि सड़क को सीधे दिलीप के घर के बीच से ही निकाल सकते हैं। इस पर कंचन गडकरी ने बताया कि उनके अपने पिता के साथ ऐसा हो चुका है, जब सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए उनका घर ही तोड़ दिया गया था।

तृणमूल सांसद मौसम नूर कांग्रेस में शामिल

■ **मौसम नूर वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिवंगत एबीए गनी खान चौधरी की भतीजी हैं।**

नयी दिल्ली, 03 जनवरी। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद मौसम नूर शनिवार को फिर कांग्रेस में शामिल हो गयीं, जिसे पश्चिम बंगाल में विधान सभा चुनाव से पहले वहां सत्तारूढ़ दल को झटका माना जा रहा है। मौसम नूर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिवंगत ए.बी.ए. गनी खान चौधरी की भतीजी हैं।

श्रीमती नूर ने राजधानी में कांग्रेस के मुख्यालय पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थित में कांग्रेस की सदस्यता ली। उन्होंने राज्य सभा से इस्तीफा देने की भी घोषणा की है। मालदा लोक सभा सीट से 16वीं और 17वीं लोकसभा में कांग्रेस के टिकट पर जीतीं मौसम नूर 2019 में तृणमूल कांग्रेस के साथ जुड़ गयी थीं। उन्हें तृणमूल कांग्रेस ने अप्रैल 2020 में राज्य सभा में भेजा था। उनका राज्य सभा का कार्यकाल आगमी अप्रैल में समाप्त हो रहा था। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा पार्टी अध्यक्ष भेज दिया है। नूर ने कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश, पार्टी के पश्चिम बंगाल के प्रभारी गुलाम अहमद मीर, पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार तथा लोकसभा सांसद ईशा खान चौधरी की मौजूदगी में पुन: कांग्रेस की सदस्यता ली। इस मौके पर उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने और उनके परिवार के लोगों ने पुन: कांग्रेस के साथ जुड़ कर दिवंगत ए.बी.ए. गनी खान चौधरी (पूर्व केंद्रीय मंत्री) की विरासत को मजबूत करने का निर्णय लिया है।

मनरेगा पर कांग्रेस देश भर में आंदोलन करेगी

■ **कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने बताया कि पार्टी 45 दिन का कार्यक्रम करेगी, जिसकी शुरुआत 8 जनवरी से होगी।**

नयी दिल्ली, 03 जनवरी। कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) के पक्ष में देशव्यापी कार्यक्रम आयोजित करेगी। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में मनरेगा बचाओ अभियान की रूपरेखा तैयार की गई थी।

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस वार्ता करते हुए ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 8 जनवरी से सभी प्रदेशों में, बड़ी बैठक की जाएगी, जिसमें प्रदेश के सारे बड़े नेता और प्रभारी मौजूद होंगे। इस बैठक में सभी जिलों के काम का दायित्व दिया जाएगा, 10 जनवरी को सभी जिलों में प्रेस कॉन्फ्रेंस की जायेंगी। इसमें पंचायती राज को खत्म करने की साजिश को उजागर किया जाएगा।

11 जनवरी को सभी जिलों में , महात्मा गांधी जी या बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की मूर्ति के सामने एक दिन का उपवास किया जाएगा। 12 जनवरी से 29 जनवरी तक हर पंचायत में चौपाल लगाई जायेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता विपक्ष राहुल गांधी की तरफ से सभी ग्राम प्रधानों को पत्र लिखा जाएगा।

30 जनवरी को वार्ड और ब्लॉक लेवल पर कार्यक्रम किया जाएगा। 31 जनवरी से 6 फरवरी के बीच डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर के ऑफिस के बाहर धारण दिया जाएगा। 7 फरवरी से 15 के बीच विधानसभा और राज्यभवन का घेराव कार्यक्रम किया जाएगा। इसमें सभी जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। 16 फरवरी से 25 फरवरी के बीच कांग्रेस पार्टी बड़ी रैली करेगी।

दिल्ली में 72 उड़ानें रद्द हुईं

नयी दिल्ली, 03 जनवरी। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को खराब मौसम के कारण 72 उड़ानें रद्द रहीं और 300 से अधिक उड़ानों की आवाजाही में देरी हुई।

दिल्ली में आज सुबह कोहरा नहीं था, लेकिन देश के दूसरे हिस्सों में कोहरे के कारण वहां से आने वाली और वहां जाने वाली उड़ानें रद्द रहीं।

हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न विमान सेवा कंपनियों ने आज दिल्ली आने वाली 34 और यहां से जाने वाली 38 उड़ानें रद्द कीं।

इसके अलावा 300 से अधिक उड़ानों में देरी की भी सूचना है।

उल्लेखनीय है कि आज दिल्ली में रनवे पर दृश्यता ठीक रही, लेकिन दूसरे शहरों में कोहरा रहा।

अमेरिका ने वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शहर के कुछ हिस्सों से काले धुएं के गुबार उठते देखे। धमाके और विमानों को लगभग 90 मिनट तक देखा गया।

एसोसिएटेड प्रैस द्वारा सत्यापित वीडियो में कैराकस और एक अनजान तटीय शहर के ऊपर रात में आकाश में धुएं के गुबार साथ बार-बार मूक धमाके देखे गए, जो आसपास की पहाड़ियों को रोशन कर रहे थे। अन्य फुटेज में कारें राजमार्गों पर चलती हुई दिखाई दीं, जबकि उनके पीछे तेज धमाकों की रोशनी दिख रही थी।

फैडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने वेनेजुएला के हवाई क्षेत्र और नज़दीकी क्यूरासाओ में अमेरिकी वाणिज्यिक और निजी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया, यह कहते हुए कि "चल रही सैन्य गतिविधियों से जुड़ी उड़ानें सुरक्षा जोखिम" हैं।

ट्रंप की घोषणा के बावजूद, वाइट हाउस या पेंटागन से तुरंत कोई विस्तृत ब्रीफिंग नहीं आई। पेंटागन ने प्रश्नों का जवाब वाइट हाउस को दिया, जबकि अमेरिकी दक्षिणी कमांड ने प्रतिक्रिया नहीं दी। ट्रंप फ्लोरिडा के अपने निजी क्लब में थे और सोशल मीडिया पर अपनी प्रारंभिक पोस्ट के बाद उन्होंने कोई और टिप्पणी नहीं दी।

रॉयटर्स ने बाद में एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने वेनेजुएला के अंदर हमले किए, हालांकि लक्ष्यों या उद्देश्यों के बारे में विवरण नहीं दिया गया।

ट्रंप प्रशासन मादुरो पर 5 माह से दबाव बढ़ा रहा था, मादुरो पर अमेरिका ने नार्को आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। अगस्त से, वॉशिंगटन ने वेनेजुएला के उत्तरी तट के पास एक बड़े बेस के निर्माण का आदेश दिया, जिसमें एक विमान वाहक पोत, युद्धपोत और उन्नत लड़ाकू जेट्स शामिल हैं, जो इस क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका की सबसे बड़ी सैन्य उपस्थिति है।

सितंबर की शुरुआत से, अमेरिकी सैन्य बल कैरेबियाई सागर और पूर्वी प्रशांत में नौकाओं पर हमले कर रहा है, उसका आरोप था कि इनमें नशीले पदार्थ हैं।

अमेरिका ने डेटा जारी कर 35 नावों पर हमलों और कम से कम 115 लोगों की मौत की सूचना दी थी। ट्रंप ने इन अभियानों को यूएस में नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए आवश्यक बताया और कहा कि वॉशिंगटन ड्रग कार्टेल्स के खिलाफ "सशस्त्र संघर्ष" में जुटा है।

पिछले सप्ताह, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने वेनेजुएला के एक ऐसे क्षेत्र पर हमला किया था, जहां नौकाओं में नशीले पदार्थ लदे हुए थे। वर्तमान दबाव अभियान के दौरान वेनेजुएला की ज़मीन पर की गई यह पहली स्थल सैन्य कार्यवाही थी। अन्य मीडिया आउटलेट्स ने रिपोर्ट किया है कि इन ऑपरेशन्स के पीछे सीआईए थी।

सैन्य कार्रवाई के साथ-साथ, वॉशिंगटन ने प्रतिबंधों का भी विस्तार किया है। प्रतिबंधित तेल टैंकरों को ज़ब्त किया है और कहा कि ट्रंप ने वेनेजुएला के तेल पर जो रोक लगाई है, वह काराकस पर आर्थिक दबाव को कड़ा करने के उद्देश्य से उठाए गए कदम हैं। रॉयटर्स के अनुसार, ट्रंप ने बार-बार ज़मीन पर हमलों की धमकी दी है और निजी तौर पर मादुरो से देश छोड़ने का आग्रह किया है। इस सप्ताह के शुरू में, उन्होंने कहा कि मादुरो के लिए यह "समझदारी" होगी कि वे सत्ता से हट जाएं।

वेनेजुएला ने अमेरिकी "सैन्य आक्रमण" को नकारते हुए, वॉशिंगटन पर देश के तेल और खनिज संसाधनों को हड़पने की कोशिश करने का आरोप लगाया। सरकार ने कहा कि अमेरिका "सफल नहीं होगा" इन संसाधनों को लेने में, और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन की निंदा करने की अपील की।

एक बयान में, सरकार ने कहा कि मादुरो ने "सभी राष्ट्रीय रक्षा योजनाओं को लागू करने का आदेश दिया है" और "बाहरी संकट की स्थिति" घोषित की है, जिससे अधिकारियों को विस्तारित आपातकालीन शक्तियाँ और सशस्त्र बलों को एक बड़ी भूमिका मिलेगी।

कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्टावो पेट्रो ने सोशल मीडिया पर कहा कि कैराकस पर बमबारी की जा रही है और उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपातकाल बैठक का आ ान किया। बाद में उन्होंने वह सूची प्रकाशित की, जिसमें बमबारी की गई साइटों का उल्लेख किया गया है, इनमें कैराकस में क्युएर्टेल डे ला मोंटाना बैरक भी शामिल था, जो ह्यूगो चावेज़ का मकबरा है, जो चैविज़्मो के राजनीतिक आंदोलन का केन्द्रीय प्रतीक है, यह आंदोलन 1999 से वेनेजुएला पर शासन कर रहा है।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने हमलों की निंदा की, और ईरानी राज्य टेलीविजन ने कैराकस में धमाकों के दृश्य प्रसारित किए। क्यूबा, जो मादुरो का करीबी सहयोगी और अमेरिका का दीर्घकालिक विरोधी है, ने भी हमले की निंदा की।

जैसे-जैसे स्थिति स्पष्ट होती है, शनिवार की सुबह की घटनाएँ न सिर्फ वेनेजुएला की आंतरिक राजनीति को फिर से आकार देने की संभावना रखती हैं, बल्कि यह क्षेत्रीय स्थिरता और लैटिन अमेरिका में अमेरिकी संबंधों को भी प्रभावित कर सकती हैं।

ट्रंप ने एक फोटो भी जारी किया, जिसमें मादुरो की आंखों पर पट्टी बंधी हुई दिख रही थी।

'देशभर में फॉरेंसिक लैब का जाल बिछाया जाएगा'

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बताया कि इस पर 30 हजार करोड़ रु. की लागत आएगी

■ **सरकार का विज़न है कि अपराधिक मामलों में त्वरित न्याय मिले।**

नयी दिल्ली, 03 जनवरी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि अगले पांच वर्षों में देशभर में फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं का जाल बिछाया जायेगा, जिसपर 30 हजार करोड़ रुपये का व्यय होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2029 तक देश के हर राज्य में फॉरेंसिक विश्वविद्यालय या केन्द्रीय फॉरेंसिक प्रयोगशाला बनायी जायेगी।

शाह ने शनिवार को अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह के विजयपुरम में मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का विषय सेंट्रल फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला और राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला था। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, बंडी संजय कुमार, संसदीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य, गृह सचिव, विश्वविद्यालय के कुलपति और पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के महानिदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक में हिस्सा लिया।

शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय ने 2019 से लेकर अब तक संसदीय परामर्शदात्री समिति की 12 बैठकें की हैं, जिसके अच्छे परिणाम मिले हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का विजन है कि आपराधिक कानूनों के पूरी तरह लागू होने के बाद समय पर न्याय मिले। उन्होंने कहा कि सरकार 2029 तक ऐसी व्यवस्था बनायेगी, जिसमें तीन साल की अवधि में प्राथमिकी से लेकर उच्चतम न्यायालय तक न्याय की पूरी प्रक्रिया संपन्न हो सकेगी। उन्होंने कहा कि 2022 से अब तक हुए सुधार इसी दिशा में किए गए प्रयास हैं। गृह मंत्रालय इन प्रयासों की व्यापक निगरानी कर रहा है और कमियों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि न्याय देने की प्रक्रिया के लिए फॉरेंसिक क्षमताओं में बढ़ोतरी और विस्तार के लिए सरकार ने 2020 से ही फॉरेंसिक्स पर ध्यान केन्द्रीत करके काम किया। उन्होंने कहा कि नई न्याय संहिताएं पिछले वर्ष जुलाई से अमल में हैं परंतु फॉरेंसिक्स की दृष्टि से इसे लागू करने का काम 2020 से ही शुरू कर दिया था, जिसके सकारात्मक परिणाम मिलने लगे हैं।

शाह ने कहा कि पहले देश के सामने पांच चुनौतियां थीं, जिनमें फॉरेंसिक जांच में प्रौद्योगिकी की कमी, साक्ष्य की गुणवत्ता का सीमित होना, कई जगहों पर पुलिस द्वारा फॉरेंसिक जांच की रिपोर्ट अदालत में नहीं देना, कुशल पेशेवरों और फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं की कमी और राष्ट्रव्यापी मापदंडों की कमी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि नए कानून के प्रावधानों के मुताबिक अब फॉरेंसिक प्रयोगशाला अपनी रिपोर्ट सीधी अदालत को भेजेगी और उसकी एक प्रति पुलिस को देगी।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गत नवंबर से देश के हर पुलिस स्टेशन को अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम पर ऑनलाइन कर दिया गया है जिससे हर प्राथमिकी सेंट्रल सर्वर पर उपलब्ध है। अपराध की मैपिंग के लिए आने वाले दिनों में मोडस ऑपरेन्डी ब्यूरो भी बनाया जाने वाला है। लगभग 36 करोड़ डाटा के साथ 7 लाख प्राथमिकी का डाटा ऑनलाइन उपलब्ध है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908